राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

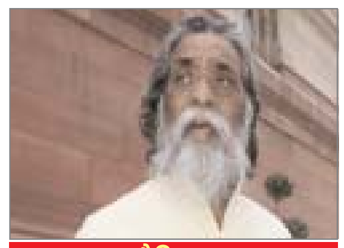

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, मंगलवार, 16 सितम्बर 2025
वर्ष 14, अंक 155, पृष्ट 04, मूल्य: 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

पति विदेश में,घर में अकेली महिला को दबोचकर हैवानियत की कोशिश ..03

मथुरा में गौ सेवा ट्रस्ट के नाम पर 20 करोड का साइबर फ्रॉड..04

J&K: आतंकियों पर बड़ा खुलासा, अब... छिपने के लिए बदल रहे रणनीति, सुरक्षा बलों के सामने खड़ी हुई नई चुनौती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीनगर - जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी संगठनों ने अपनी रणनीति बदलते हुए अब स्थानीय घरों में पनाह लेने की बजाय घने जंगलों और ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भूमिगत बंकर बनाने शुरू कर दिए हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि स्थानीय समर्थन में कमी के कारण आतंकवादी संगठनों की रणनीति में यह बदलाव सेना और अन्य सुरक्षा बलों के लिए एक नई चुनौती है। पिछले सप्ताह कुलगाम जिले के ऊपरी क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ के दौरान इसका पता चला, जहां 2 आतंकवादी मारे गए थे। जैसे-जैसे अभियान आगे बढ़ा, सुरक्षा बलों को एक गुप्त सुरंग मिली, जिसमें राशन, छोटे गैस स्टोव, प्रैशर कुकर, साथ ही हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुए। एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि यह प्रवृत्ति कुलगाम और शोपियां जिलों के साथ-साथ जम्मू क्षेत्र में पीर पंजाल के दक्षिण में व्यापक हो गई है, जहां घने जंगल आतंकवादियों के लिए आदर्श छिपने की जगह उपलब्ध कराते हैं। भले ही सुरक्षा कर्मियों ने इनमें से कुछ नए ठिकानों का पता लगाने में सफलता प्राप्त कर ली है, लेकिन अधिकारियों की चिंता बढ़ती जा रही है, विशेषकर खुफिया जानकारी मिलने के बाद कि आतंकवादियों को ऊंची और मध्य पहाड़ियों में रहने तथा सीमा पार से निर्देश मिलने पर हमले करने के लिए कहा गया है। एक अधिकारी ने कहा, "यह मारे गए आतंकियों की संख्या का सवाल नहीं है। चिंता की बात यह है कि अब आतंकवादी इन भूमिगत बंकरों के भीतर अच्छी तरह से जमे हुए दिख रहे हैं।"

1990 के दशक में अपनाई गई आतंकवादी रणनीति की याद दिलाती है बंकरों की रणनीति

सेना की उत्तरी कमान के पूर्व प्रमुख और 2016 की सफल सर्जिकल स्ट्राइक का नेतृत्व कर चुके सेवानिवृत्त लैफ्टिनैंट जनरल डी.एस. हुड्डा ने कहा कि ऊंचाई वाले इन खाइयों और बंकरों की रणनीति 1990 और शुरूआती 2000 के दशक में अपनाई गई आतंकवादी रणनीति की याद दिलाती है। लैफ्टिनैंट जनरल हुड्डा ने यह भी कहा कि मानव स्रोतों से मिलने वाली खुफिया सूचनाओं का अभाव वर्तमान में एक बड़ी समस्या बनकर उभरा है, जबकि पहले यह आतंकवाद विरोधी अभियानों में एक अहम साधन था। फिर भी, उनका मानना है कि सेना इस नई चुनौती से निपटने के लिए अपनी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन अवश्य करेगी।

आतंकी स्थानीय लोगों अब मानते हैं मुखबिर

जम्मू-कश्मीर पुलिस में 3 दशक तक सेवा दे चुके पुडुचेरी पुलिस के पूर्व महानिदेशक B. Srinivas ने भी इस आकलन से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि आतंकी अब कस्बों और गांवों में शरण नहीं ले पा रहे हैं, इसलिए वे इन बंकरों का निर्माण करने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों द्वारा अलगाववादी विचारधारा से दूरी बनाए जाने के कारण अब घुसपैठिए आतंकी इन गुप्त सुरंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि स्थानीय लोगों की नजरों से बच सकें, जिन्हें अब वे मुखबिर मानते हैं।

'ऑप्रेशन सर्प विनाश 'के दौरान देखी गई स्थिति की होगी पुनरावृत्ति

यह 2003 में 'ऑप्रेशन सर्प विनाश 'के दौरान देखी गई स्थिति की पुनरावृत्ति होगी, जब सुरक्षाबलों ने पुंछ क्षेत्र में छिपे हुए आतंकी ठिकानों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया था। इस नई चुनौती का सामना करने के लिए सुरक्षा एजैंसियां तकनीकी समाधानों का सहारा लेने की योजना बना रही हैं और आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान 'ग्राऊंड-पेनेट्रेटिंग रडार '(जी.पी.आर.) से लैस ड्रोन और भूकंपीय सैंसर का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही हैं। ड्रोन उन दुर्गम इलाकों तक पहुंच सकते हैं, जहां सामान्य रूप से पहुंचना कठिन है, जबकि 'जी.पी.आर. 'और भूकंपीय 'सैंसर 'धरती के भीतर की खाली जगहों और संरचनात्मक बदलावों की पहचान कर सकते हैं, जिससे ऐसे भूमिगत बंकरों की सटीक जानकारी मिल सकती है। इस समय सुरक्षा बलों का प्राथमिक उद्देश्य इन जंगल क्षेत्रों में खुफिया तंत्र को मजबूत करना और इन नई तकनीकों की मदद से बचे हुए आतंकियों को निष्क्रिय करना है।

सेना को 2020 से 2022 के बीच भी भूमिगत बंकरों और कृत्रिम सुरंगों से जूझना पड़ा था

अतीत में, यानी 2020 से 2022 के बीच, सेना को भूमिगत बंकरों और कृत्रिम सुरंगों से जूझना पड़ा था, लेकिन वे मुख्यतः पुलवामा, कुलगाम और शोपियां के रिहायशी क्षेत्रों में स्थित थे। अधिकारियों ने उदाहरण देते हुए बताया कि 'राम्बी आरा 'की धारा के बीच में एक बंकर तैयार किया गया था, जो अक्सर जल स्तर में उतार-चढ़ाव और बाढ़ से प्रभावित रहता है। सैनिकों ने एक खाली तेल के ड्रम का मुंह खुला हुआ देखा, जिसे बाद में आतंकवादियों ने बंकर में प्रवेश करने के लिए इस्तेमाल किया। उस समय पारंपरिक कश्मीरी घरों में सुरंगनुमा गुफाओं और भूमिगत बंकरों की कई रिपोर्ट सामने आई थीं। सेना को बंडपोह में भी एक भूमिगत बंकर मिला, जो घने सेब के पेड़ों से ढंका हुआ और ऊंचाई पर स्थित था। आतंकियों ने वहां भूमिगत रूप से एक कमरा तैयार कर लिया था। बंकर का पर्दाफाश तब हुआ, जब जवानों ने देखा कि एक पॉलीथिन शीट जमीन पर बिछी है और उसके आसपास की मिट्टी हाल ही में भरी गई है। शोपियां के लाबिपुरा में एक और दिलचस्प लुका-छिपी की रणनीति देखने को मिली, जहां आतंकवादियों ने नदी के किनारे एक लोहे के बक्से को ढक दिया और जमीन के नीचे छिपते हुए सांस लेने के लिए एक छोटी पाइप लगा दी।

PM सुशीला कार्की ने बनाई अपनी टीम, कैबिनेट में तीन नए मंत्री किए शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नेपाल की कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने अपने मंत्रिमंडल में तीन मंत्रियों को शामिल किया है, जिन्हें सोमवार को शपथ दिलाई जाएगी। इस हिमालयी राष्ट्र की प्रथम महिला प्रधानमंत्री कार्की (73) ने रविवार को पदभार संभाला। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने उसी दिन कार्की की अनुशंसा पर नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व प्रबंध निदेशक कुलमन घीसिंग, पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर खनाल और काठमांडू के महापौर बालेंद्र सलाहकार और वकील ओम प्रकाश आर्यल को मंत्री नियुक्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय के करीबी सूत्रों के अनुसार, नवनियुक्त मंत्रियों को काठमांडू के महाराजगंज क्षेत्र में शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति कार्यालय में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। घीसिंग ऊर्जा, जल संसाधन और शहरी विकास मंत्रालय का कार्यभार संभालेंगे, खनाल को वित्त मंत्री नियुक्त किया गया है जबकि आर्यल को कानून और गृह मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की को कार्यवाहक सरकार का नेतृत्व करने के लिए आंदोलनकारी 'जेन जेड' समूह की अनुशंसा पर प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था। देश में 5 मार्च 2026 को नए चुनाव होंगे। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जेन जेड' समूह के व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने गत मंगलवार को इस्तीफा दे दिया जिससे पैदा हुई राजनीतिक अनिश्चितता कार्की द्वारा 12 सितंबर को शपथ लिए जाने साथ ही समाप्त हो गई थी। ओली के इस्तीफे की मांग करते सैकड़ों प्रदर्शनकारियों द्वारा उनके कार्यालय में घुस जाने के कुछ ही देर बाद मंगलवार को उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में कम से कम 72 लोग मारे गए हैं। 'जेन जेड% उस पीढ़ी को कहा जाता है जो 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई है। यह वह युवा वर्ग है जो तकनीक, इंटरनेट और सोशल मीडिया के साथ बड़ा हुआ है। इन्हें डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है क्योंकि ये लोग आधुनिक प्रौद्योगिकी के तहत अने वाले स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया के उपयोग में महारथ रखते हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

ट्रैक्टर ने साइकिल सवार को रौंदा; बैक करते समय चपेट में आया, 2 बार सीने पर चढ़ा ट्रॉली का पहिया

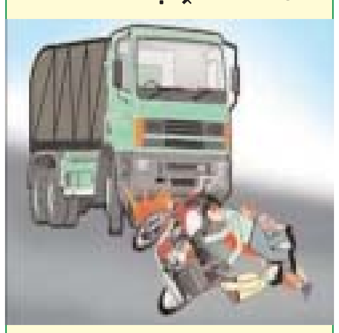

आगरा- यूपी के आगरा से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पर एक ट्रैक्टर ड्राइवर ने साइकिल सवार कारपेंटर को रौंद दिया। साइकिल सवार के सीने पर दो बार ट्राली का पहिया चढ़ गया। इससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे के बाद ड्राइवर उसे उठाने के लिए ट्रैक्टर से नीचे आया, लेकिन, साइकिल सवार नहीं उठा। क्योंकि उसकी मौत हो चुकी थी। इसके बाद वो उसे वहीं छोड़कर भाग गया।

जानिए पूरी घटना

जानकारी के मुताबिक, यह घटना 10 सितंबर की न्यू आगरा थाना क्षेत्र की है, जिसका वीडियो अब वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि लोहामंडी कारवान निवासी पन्नू लाल कारपेंटर थे। वह साइकिल से दयालबाग लालगढ़ी काम पर आए थे। यहां पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली आगे जा रही थी। ट्रॉली में मिट्?टी भरी हुई थी। पन्नू लाल साइकिल से उसके पीछे-पीछे चल रहे थे। इसी दौरान गली में मोड पर चालक ने बिना देखे ही ट्रैक्टर-ट्राली को बैक कर दिया। ट्राली की टक्कर लगने से पीछे चल रहे साइकिल सवार उसकी चपेट में आ गए और साइकिल समेत गिर गए। ट्राली उसके सीने पर चढ़ गई। चीखें सुनकर ड्राइवर ने ट्रैक्टर आगे किया तो एक बार फिर उसके सीने पर ट्राली का पहिया चढ़ गया।

बीच सड़क पर छोड़कर भागा आरोपी

साइकिल सवार की चीखें सुनकर ड्राइवर पीछे उसे देखने आया। उसने उसे उठाने की कोशिश की, लेकिन वो उठा नहीं। इसके बाद ड्राइवर कारपेंटर को बीच सड़क पर छोड़कर फरार हो गया। आसापस के लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, पन्नू लाल की पत्नी ऐलम देवी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ थाना न्यू आगरा में मुकदमा दर्ज किया है। अब पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की तलाश कर रही है।

मिट्टी में दफन कर दी गई 15 दिन की मासूम, लोगों ने रोने की आवाज सुनी तो...

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में इंसानियत को झकझोर देने वाली एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां जैतपुर इलाके में एक 20 दिन की नवजात बच्ची को उसके ही परिवार वालों ने कथित तौर पर जिंदा दफना दिया। हालांकि, बच्ची के रोने की आवाज सुनकर एक चरवाहे ने उसे बचाया। बच्ची की हालत गंभीर है और उसका इलाज चल रहा है।

कैसे बची बच्ची की जान?

यह घटना रविवार सुबह गौहावर मार्ग पर बहगुल नदी के पुल के पास हुई। एक बच्चा अपनी बकरियां चराने नदी किनारे गया था, तभी उसे मिट्टी के नीचे से रोने की हल्की आवाज सुनाई दी। जब उसने पास जाकर देखा तो एक गड्ढे से खून से सना हुआ एक छोटा हाथ बाहर निकला हुआ था। यह देखकर वह डर गया और उसने तुरंत गांव वालों को बुलाया, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

घायल बच्ची अस्पताल में

सूचना मिलते ही सब-इंस्पेक्टर इतेश तोमर की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बच्ची को बाहर निकाला और तुरंत इलाज के लिए जैतपुर सीएचसी भेजा। बच्ची की

नाजुक हालत को देखते हुए उसे शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां डॉक्टरों की एक टीम एसएनसीयू (SNCU) में उसका इलाज कर रही है। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्ची को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया है और उसकी हालत गंभीर है। उसे दफनाने के बाद मिट्टी और चींटियों ने उसके शरीर पर गहरे घाव कर दिए हैं, जो उसकी हालत को और भी खराब कर रहे हैं।

पुलिस जांच में जुटी

पुलिस का मानना है कि बच्ची को किसी शारीरिक विकृति के कारण बोझ समझकर जिंदा दफनाया गया है। पुलिस फिलहाल आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हाल ही में नवजात बच्चियों के जन्म की जानकारी जुटा रही है।

मोदी सरकार को बनाने वाली इस राज्य को लगा 25,000 करोड़ का झटका, C M नायडू ने कर दी PM मोदी से ये डिमांड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- 2019 में केंद्र में मोदी सरकार की वापसी में निर्णायक भूमिका निभाने वाला आंध्र प्रदेश अब भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है। अमेरिका द्वारा भारतीय झींगा पर लगभग 60% तक टैरिफ लगाए जाने के बाद राज्य को करीब 25,000 करोड़ रुपये का सीधा झटका लगा है। देश के झींगा निर्यात में 80% हिस्सेदारी रखने वाला यह राज्य अब संकट की स्थिति में है। राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने इस गंभीर स्थिति को देखते हुए केंद्र सरकार से राहत पैकेज और दीर्घकालिक रणनीति की मांग की है।

अमेरिका का भारी शुल्क- भारत के लिए मुश्किलें बढ़ीं

अमेरिकी सरकार ने भारतीय झींगा पर 50% बेसिक टैरिफ के साथ-साथ 5.76% प्रतिपूरक शुल्क (CVD) और 3.96% एंटी-डंपिंग शुल्क भी लगा दिया है। इस तरह कुल टैरिफ दर बढ़कर 59.72% हो गई है। इसका असर सीधे तौर पर आंध्र प्रदेश के झींगा व्यापार पर पड़ा है, जहां से हर साल करीब 21,000 करोड़ रुपये मूल्य का झींगा अमेरिका को

निर्यात किया जाता है। राज्य सरकार के अनुसार, हालिया टैरिफ की वजह से निर्यातकों को अब तक करीब 25,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। अकेले 2,000 कंटेनरों पर लगभग 600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त शुल्क देना पड़ रहा है, जिससे राज्य के मछुआरे और निर्यातक दोनों गंभीर आर्थिक संकट में हैं।

सीएम नायडू ने केंद्र को लिखा पत्र, मांगी राहत और रणनीति

तेलुगु देशम पार्टी (TDP) के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और मत्स्य मंत्री राजीव रंजन को पत्र लिखकर तत्काल राहत पैकेज और दीर्घकालिक रणनीति की मांग की है।

उन्होंने मांग की है कि-

-झींगा उद्योग के लिए अंतरिम वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए।

-फ्रोजन झींगा पर 5% जीएसटी को अस्थायी रूप से माफ किया जाए।

-बैंक ऋण और ब्याज भुगतान पर 240 दिन की मोहलत दी जाए।

-ब्याज पर सब्सिडी और मछुआरों के लिए बिजली दरों पर राहत दी जाए।

सीएम ने बताया कि राज्य सरकार पहले ही एक्वा फीड की कीमतों में 9 प्रति किलो की कटौती कर चुकी है। साथ ही, ट्रांसफॉर्मर सब्सिडी और अन्य राहत उपायों पर भी विचार किया जा रहा है।

बदले हालात में नए निर्यात बाजारों की तलाश ज़रूरी

अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भरता को जोखिमपूर्ण बताते हुए नायडू ने नए निर्यात विकल्पों की तलाश पर जोर दिया है। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया है कि भारत को यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया, सऊदी अरब और रूस जैसे देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) करने चाहिए, ताकि झींगा उद्योग को स्थिरता मिल सके। सीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य के निर्यातक यूरोपीय बाजारों में झींगा, मछली और केकड़ा (क्रैब) भेजने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सीधे जुड़े लाखों लोग, राष्ट्रीय नीतिगत फैसलों की ज़रूरत

आंध्र प्रदेश में मत्स्य उद्योग से सीधे तौर पर 2.5 लाख परिवार जुड़े हुए हैं, जबकि करीब 30 लाख लोग इस क्षेत्र में किसी न किसी रूप में कार्यरत हैं। इसलिए इस संकट को केवल राज्य का मसला मानना नासमझी होगी - यह राष्ट्रीय स्तर पर नीति-निर्माण की मांग करता है। सीएम नायडू ने कहा कि इस आर्थिक झटके से उबरने के लिए केंद्र को राष्ट्रीय स्तर की रणनीति बनानी चाहिए, जिससे न सिर्फ मौजूदा नुकसान की भरपाई हो सके, बल्कि भविष्य के लिए झींगा निर्यात को लेकर भारत की स्थिति और मजबूत हो।

वक्फ कानून पर स्ष्ट की मुहर, मंत्री बोले- चंद लोगों का ऐशो-आराम खत्म, कांग्रेस- वक्फ बोर्ड भी खुश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भोपाल- सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अगुवाई वाली दो जजों की बेंच ने इस कानून से जुड़े 5 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए इसके कुछ प्रावधानों पर रोक लगा दी।

वक्फ बोर्ड अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि 'भारत के मुसलमानों को अब असली हक मिल रहा है। पहले उनके हिस्से में मुर्गे और अंडे की दुकानें थीं, अब अदालत ने बड़ा हक दिया है। विरोध करने वालों को कोर्ट ने आईना दिखाया है।' उन्होंने कहा कि विपक्ष ने मुसलमानों को डराने और धमकाने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साबित कर दिया कि संशोधन कानून संवैधानिक है।

कांग्रेस ने भी किया स्वागत

कांग्रेस नेता और पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा ने भी कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 'सुप्रीम कोर्ट ने साबित कर दिया कि कोई भी कानून बनाकर जनता पर थोपा नहीं जा सकता। बीजेपी की जमीनें हड़पने की कोशिश को कोर्ट ने नाकाम कर दिया है। अब आगे भी कई और संशोधन होंगे।'

सारंग का कांग्रेस पर निशाना..

कैबिनेट मंत्री सारंग ने कहा कि निर्णय वक्फ संपत्तियों से जुड़े लंबे विवादों और कब्जों पर सकारात्मक असर डालेगा। वक्फ संपत्तियों पर लंबे समय से चल रहे विवाद और अनधिकृत कब्जे अब खत्म होंगे। सारंग ने आरोप लगाया कि वक्फ संपत्तियों पर कुछ लोगों ने बेजा कब्जा कर रखा था। इन संपत्तियों का उपयोग उन जरूरतमंदों की सहायता के लिए होना चाहिए, जिनके लिए यह बनाई गई हैं। मंत्री ने कहा कि कुछ मुस्लिम नेताओं ने इन संपत्तियों का इस्तेमाल अपने बच्चों के ऐशो-आराम और निजी फायदे के लिए किया। यही वजह है कि जब वक्फ कानून लाया गया तो उन्हें तकलीफ हुई और उनके "पेट में दर्द "शुरू हो गया।

MP में बिहार के इमाम गिरफ्तार, भड़के ओवैसी ने SP से कहा- आर्टिकल 19 पढ़ो, मुस्लिम होना गुनाह है क्या?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खंडवा- मध्यप्रदेश के खंडवा जिले में पुलिस द्वारा बिहार से आए एक इमाम को गिरफ्तार किए जाने का मामला तूल पकड़ गया है। इस कार्रवाई को लेकर AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कड़ी आपत्ति जताई है। ओवैसी ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 का हवाला देते हुए खंडवा एसपी पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने पूछा कि क्या सिर्फ मुसलमान होने की वजह से यह कार्रवाई की गई? उनका यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान बढ़ा तनाव

जानकारी के मुताबिक, ईद मिलादुन्नबी के दिन खंडवा जिले के खार गांव की मस्जिद में करीब डेढ़ महीने से बिहार के किशनगंज निवासी इमाम अख्तर रजा ठहरे हुए थे। वे नमाज पढ़वाने के लिए मस्जिद में रुकवाए गए थे। आरोप है कि मस्जिद

कमेटी ने इस संबंध में स्थानीय थाने को कोई सूचना नहीं दी थी। इसी बीच गणेश विसर्जन के दौरान गांव में सांप्रदायिक विवाद हो गया।

हिंदू संगठनों ने सौंपा था ज्ञापन

विवाद के बाद हिंदू संगठनों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि बिहार से आया इमाम गांव का माहौल बिगाड़ रहा है। जांच के बाद पुलिस ने इमाम अख्तर रजा और मस्जिद कमेटी अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की। पुलिस का कहना है कि किसी भी बाहरी व्यक्ति को गांव में रुकवाने से पहले स्थानीय थाने को सूचना देना जरूरी है।

असदुद्दीन ओवैसी का पलटवार

इस कार्रवाई पर AIMIM प्रमुख Asaduddin Ovaisi ने कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने खंडवा एसपी को निशाने पर लेते हुए कहा 'बिहार से आए इमाम को मस्जिद में रुकवाने पर केस दर्ज कर लिया गया। बताइए, भारतीय संविधान का आर्टिकल 19 क्या है? यह मौलिक अधिकार है। आर्टिकल 19 बड़ा है या बीएनएस 223? क्या मुसलमान होने की वजह से उन्हें गिरफ्तार किया गया?'

मोदी का मणिपुर दौरा हुज़ूर आते आते बहुत देर कर दी!

आखिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 27 महीने बाद उत्तर-पूर्व के राज्य मणिपुर के दौरे पर चले ही गए। राज्य में 27 महीने से चल रहे संघर्ष में 270 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और 57,000 से ज़्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार के दिन दोपहर के बाद पहले मणिपुर के शहर चुराचांदपुर और बाद में प्रदेश की राजधानी इम्फाल पहुंचे। उन्होंने पहले चुराचांदपुर में 7300 करोड़ के विकास प्रोजैक्टों का उद्घाटन किया और 7000 करोड़ के अन्य प्रोजैक्टों का नींव पत्थर भी रखा। इस अवसर पर एक रैली को सम्बोधित करते हुए उन्होंने लोगों को शांति बनाए रखने की अपील की और उन्होंने यह विश्वास भी दिलाया कि भारत सरकार पूरी तरह उनके साथ है और विकास कार्य में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। यहां वह हिंसा से पीड़ित परिवारों के कुछ लोगों से भी मिले। फिर वह इम्फाल को रवाना हो गए। वहां हवाई अड्डे पर राज्यपाल अजय कुमार भल्ला और मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल द्वारा उनका स्वागत किया गया। चुराचांदपुर और इम्फाल में प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए कड़े प्रबन्ध किए गए थे। निःसंदेह मणिपुर की समस्या दशकों पुरानी है। इसका हल शीघ्र किया जाना कठिन है, क्योंकि रहते अलग-अलग कबीलों के लोगों की दुश्मनी की दास्तान बहुत लम्बी है। मणिपुर में कबीलों में विवाद मई 2023 में शुरू हुआ था।27 मार्च 2023 को मणिपुर हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने पर जल्दी विचार करने के लिए कहा था.इसके कुछ ही दिन बाद, 3 मई 2023 को कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़क गई.इस हिंसा में कई लोगों की जान गई. ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर की तरफ़ से आयोजित रैली हिंसक हो गई और हालात बिगड़ने पर प्रशासन ने "शूट ऐट साइट" का आदेश जारी कर दिया दो बड़े कबीले कुकी और मैतेई आपस में भिड़ते रहे हैं। मई 2023 में शुरू हुई आपसी झड़पों में उस समय लगभग 260 मौतें हुई थीं और 60 हज़ार लोग बेघर हो गए थे। उस समय यहां भारतीय जनता पार्टी का शासन था। मुख्यमंत्री बीरेन मैतेई कबीले से संबंधित हैं। उन्होंने इस विवाद को खत्म करने संबंधी पूरा जोर लगाया परन्तु सफल नहीं हो सके। उसके बाद विवश होकर केन्द्र को यहां राष्ट्रपति शासन लगाना पड़ा। राज्य के अधिकतर जिलों में कर्फ़्यू लगा, सेना और असम राइफ़ल्स को उतारना पड़ा. इस संघर्ष की जड़ मैतेई को एसटी दर्जा देने की मांग थी, जिसका विरोध कुकी समुदाय कर रहा था 19 जुलाई 2023 को एक वीडियो ने पूरे देश को झकझोर दिया. इसमें कुकी समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराते और उन्हें प्रताड़ित करते दिखाया गया पुलिस ने पुष्टि की कि यह घटना 4 मई को थोबल ज़िले में हुई थी प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार मणिपुर की घटनाओं पर सार्वजनिक बयान देते हुए कहा कि उनका "हृदय पीड़ा से भरा हुआ है" और "दोषियों को बख़्शा नहीं जाएगा" इस घटना के बाद राज्य सरकार की चौतरफ़ा आलोचना हुई और क़ानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे. फ़रवरी 2024 में हाई कोर्ट ने अपने आदेश से मैतेई के लिए एसटी दर्जा देने का अंश हटा दिया.हिंसा में सार्वजनिक संपत्ति को नुक़सान हुआ और हज़ारों लोग बेघर हो गए आज भी बहुत से लोग राहत शिविरों में या मिज़ोरम जैसे पड़ोसी राज्यों में शरण लिए हुए हैं. सरकार के अनुसार इस संघर्ष में 270 से ज़्यादा मौतें हो चुकी हैं इस समय के दौरान अमित शाह सहित कुछ केन्द्रीय मंत्रियों ने राज्य के दौरे भी किए परन्तु अभी तक भी इन कबीलों का आपसी विवाद खत्म नहीं हुआ। इस पूरे समय में देश के प्रधानमंत्री से यह आशा की जाती रही थी कि वह इस राज्य का दौरा करेंगे और अलग-अलग कबीलों को प्रत्यक्ष रूप से मिल कर विश्वास में लेने का यत्न करेंगे, परन्तु अपनी ही बनाई धारणा के कारण इस विवाद के होते प्रधानमंत्री ने यहां का दौरा नहीं किया। इस पूरे समय में विपक्षी पार्टियों और देश के ज्यादातर सामाजिक संगठनों द्वारा उनकी आलोचना भी की जाती रही। इसी बीच नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) ने राज्य में बीजेपी नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया एनपीपी के प्रमुख और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा हैं. पार्टी ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को लिखे पत्र में कहा, "श्री बीरेन सिंह के नेतृत्व में मणिपुर सरकार संकट को हल करने और सामान्य स्थिति बहाल करने में विफल रही है. मौजूदा हालात को देखते हुए एनपीपी ने सरकार से समर्थन वापस लेने का फ़ैसला किया है। लगभग 21 महीने चले जातीय संघर्ष के बीच मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने 9 फ़रवरी 2025 को इस्तीफ़ा दे दिया विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाने से पहले ही उन्होंने पद छोड़ दिया.इस्तीफ़े से पहले वह लगातार कहते रहे थे कि "क़ानून-व्यवस्था में सुधार हो रहा है और सरकार शांति बहाल करने की कोशिश कर रही है." बीरेन सिंह के इस्तीफ़े के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया. नए मुख्यमंत्री पर सहमति न बनने के कारण यह क़दम उठाया गया विधानसभा का सत्र छह महीने से ज़्यादा समय तक न बुलाने का संवैधानिक कारण भी इसके पीछे था 5 अगस्त 2025 को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में प्रस्ताव रखा कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाई जाए.इस पर हंगामे के बावजूद सदन ने प्रस्ताव पास कर दिया.यह प्रस्ताव 13 फ़रवरी 2025 को अनुच्छेद 356 के तहत लागू राष्ट्रपति शासन से जुड़ा था.अब इसे 13 अगस्त 2025 से अगले छह महीनों के लिए बढ़ा दिया गया था। आपको पता रहे मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी की पहली मणिपुर यात्रा थी विपक्ष लगातार इस बात पर सवाल उठाता रहा है कि इतने लंबे समय तक प्रधानमंत्री मणिपुर क्यों नहीं गए। निःसंदेह अपने फ़र्ज़ के पालन से उनकी ऐसी अनदेखी ने प्रधानमंत्री की छवि को कुछ सीमा तक धूमिल ज़रूर किया है। उनके अब तक संक्षिप्त दौरे संबंधी वहां का प्रतिनिधित्व करते अलग-अलग कबीलों और संगठनों में भारी रोष भी उभरा है परन्तु इसके साथ ही इन संगठनों ने यह उम्मीद

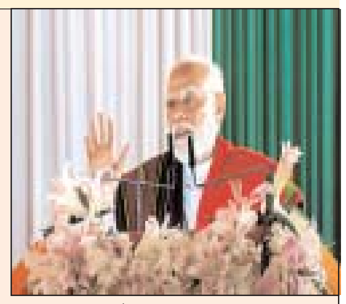

भी प्रकट की है कि देश के प्रमुख होते हुए श्री मोदी इस मामले का कोई सार्थक हल ढूंढने में सफल होंगे। कुकी कबीले के ज़्यादातर लोग और सामाजिक संगठन अपने बहुमत वाले क्षेत्र में स्वायत्तता के प्रशासनिक प्रबंध की मांग कर रहे हैं। चाहे इस छोटे-से उत्तर पूर्वी राज्य के हालात शीघ्र ठीक होने वाले तो नहीं प्रतीत होते परन्तु केन्द्र सरकार से यह उम्मीद ज़रूर की जाती है कि वह अपनी पूरी सामर्थ्य से इस जटिल व्यवस्था का कोई हल निकालने में देर या सवेर सफल ज़रूर हो जाएगी। सरकारी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री के दौरे की योजना लगभग एक साल से चल रही थी और कई बार व्यापक इंतजाम करने के बाद भी इसे टालना पड़ा।

कुछ महीने पहले, मणिपुर प्रशासन ने कथित तौर पर मोदी के दौरे के लिए विशेष हेलीपैड भी तैयार किए थे। मणिपुर में राजनीतिक समुदाय और प्रशासनिक व्यवस्था दोनों ही एक वर्ष से अधिक समय से दिल्ली को संकेत दे रहे हैं कि प्रधानमंत्री का दौरा राज्य के घावों पर मरहम का काम कर सकता है और नागरिक समाज समूहों और आम जनता के बीच यह विश्वास पैदा कर सकता है कि दिल्ली राज्य में शांति लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हिंसा में काफ़ी कमी आई है, महीनों से शांति है, राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद प्रशासन अब पूरी तरह से नियंत्रण में है, और विरोधी समूह दिल्ली के साथ सार्थक बातचीत कर रहे हैं। इस दृश्य अनुकूल माहौल में प्रधानमंत्री का दौरा सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

मनोज कुमार अग्रवाल

स्वाधीन भारत और संकुचित मानसिकता?

स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता ही मनुष्य को स्वाधीन बनाने की प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता की स्थिति में व्यक्ति अपनी इच्छाओं को अपनी सुविधा अनुसार पूरा कर सकता है, इसके लिए दूसरों की तरफ मुंह ताकने की जरूरत नहीं पड़ती है। भारत में स्वाधीनता के मायने कितने लोग समझ पाते हैं और कितना इसका सही और सटीक प्रयोग कर पाते हैं। किसी भी राष्ट्र के लिए शिक्षा और साक्षरता का उस देश और काल को समझने का एक कारगर हथियार हो सकता है पर भारत में मानसिक स्वाधीनता को समझना भी एक बड़ी समस्या है यह अशिक्षा जनित समस्या बहुत ही विकराल है। हम अभी भी पश्चिमी जगत की शिक्षा, कार्यशैली, विज्ञान एवं चिकित्सा पर संपूर्ण रूप से निर्भर हैं केवल एक शिक्षा ही ऐसा अस्त्र है जो स्वतंत्र भारत के नागरिकों को स्वाधीनता के महत्व को समझने में सक्षम होगा ।अतः स्वाधीन भारत के स्वतंत्र नागरिकों को शिक्षा के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वतंत्र नागरिक बनाकर देश के प्रति सजग और सचेत किया जा सकता है। आत्मनिर्भरता केवल मनुष्य के लिए व्यक्तिगत रूप से ही जरूरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र के लिए भी अति आवश्यक है ।एक स्वतंत्र राष्ट्र अपनी जनता को अपनी क्षमता के अनुसार सारी सुविधाएं तथा अन्य जीवन उपयोगी साधन उपलब्ध करा सकता है। भारत स्वतंत्रता के बाद हरित क्रांति सातवें दशक के प्रारंभ के बाद ही खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बन सका, इसके साथ ही भारत में खुशहाली की स्वाभाविक तौर पर वृद्धि हुई। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी कहा था कि "एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं",पाकिस्तान की स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है वह अभी तक स्वतंत्रता के बाद से 78 वर्ष के बाद भी संपूर्ण रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है, वह कर्जे से डूब गया है और अपने देश में खर्चा चलाने के लिए पूरी दुनिया से उधार मांगते हुए घूम रहा है। पाकिस्तान आत्मनिर्भर नहीं होने का एवं उधार की जिंदगी जीने का एक बहुत बड़ा उदाहरण है। जबकि भारत देश विज्ञान, टेक्नोलॉजी, मेडिकल साइंस,इंजीनियरिंग और कृषि सेवा, खनिज,स्पेस रिसर्च में पूर्णता आत्मनिर्भर होकर विकसित देशों के बराबर खड़ा हुआ है। यह देशवासियों और देश के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। आत्मनिर्भरता या स्वावलंबन किसी भी देश की प्रगति विकास तथा और उसके नागरिकों की जिंदगी की जिजीविषा है जिससे वह संघर्ष कर आगे बढ़ता है। इतिहास गवाह है कि किसी भी महान लेखक को महान बनने तक निरंतर मेहनत कर किताबें लिखने का का श्रम करना पड़ा एवं आत्मनिर्भरता की स्थिति में विचार कर अपने विचारों को लिपिबद्ध करना पड़ा तब जाकर वह महानता की श्रेणी को प्राप्त कर सका। इसी तरह कोई छात्र अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है तो उसे स्वयं परीक्षा में शामिल होना पड़ेगा एवं परीक्षा में मनोवांछित सफलता प्राप्त कर उसे स्वयं अध्ययन करना होगा। इसी प्रकार जीवन के हर क्षेत्र में भी मनुष्य को आत्मनिर्भर होकर मेहनत कर दीक्षित सफलता प्राप्त करनी पड़ेगी। हमारा देश भारत भी आजादी के बाद से आत्मनिर्भरता की ओर अग्रेषित हुआ आज स्थिति यह है कि वह विश्व में विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में आ खड़ा हुआ है। तमाम महापुरुषों के जीवन से भी हमें आत्मनिर्भरता तथा स्वावलंबन की शिक्षा मिलती रहती है। महात्मा गांधी अपना कार्य स्वयं किया करते थे। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी "दैव दैव आलसी" पुकारा है, तब जाकर उनकी जिंदगी पटरी पर आई और हमें परिश्रम कर आत्म निर्भर होने की शिक्षा प्रदान की थी। दूसरों पर निर्भरता हमें दूसरों का अनुसरण करने के लिए मजबूर करती है। दूसरों पर निर्भर होने से हमें के अनुरूप ही जीवन जीने के लिए बाध्य होना पड़ता है। पराधीनता हमारा आत्मविश्वास सृजनशीलता सोचने की शक्ति को नष्ट कर देती है। गुलामी एक अभिशाप होती है, आत्मनिर्भरता की कमी हमें किंकर्तव्यविमूढ़ बना देती है। दूसरों की कृपा पर जीने वाला व्यक्ति जीवन के अक्षय आनंद से वंचित रहता है। खुद के परिश्रम श्रम से आगे बढ़ने वाला देश या व्यक्ति या समाज सदैव प्रफुल्लित आत्म विश्वासी तथा विकास की ओर सदैव अग्रसर रहता है।

हमें सदैव अपने अंदर के आत्मविश्वास, छिपी हुई क्षमताओं मनोबल का सहारा लेकर आत्मनिर्भर या स्वावलंबी बनने का प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य को मनुष्य होने का अधिकार प्राप्त होता है। पराधीन देश सामान्य व्यक्ति सदैव पशु तुल्य होते हैं। जिनका अपना कोई विचार या व्यक्तित्व नहीं हो सकता है।

संजीव ठाकुर

दैनिक राशिफल

ज्योतिष सेवा केन्द्र लखनऊ
डॉ. कौशलेन्द्र पाण्डेय जी

1.मेष – आपके जीवन में जो तनाव बढ़ता जा रहा है आपको उसको खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। परेशानियों के कारण दिनचर्या में थोड़ा बदलाव हो सकता है। आपकी सेहत में सुधार आएगा। सगे-संबंधियों तथा पारिवारिक सदस्यों के साथ घर में उत्सव का वातावरण रहेगा।

2.वृष- आप का अपने पुराने मित्रों का मिलन हो सकता है। लेनदेन के कार्यो में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। वैचारिक मतभेद के कारण नजदीकी व्यक्ति से अनबन हो सकती है। इस राशि की महिलाएं आज किटी पार्टी में जा रही हैं तो किस्मत आपके साथ रहेगी।

3.मिथुन- आपके घर-परिवार में खुशियां आएंगी। नौकरी में अधिकारी वर्ग संतुष्ट रहेगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। दोस्तों या भाइयों की मदद से भी कोई जरूरी अधूरा काम पूरा हो सकता है। जो लोग कला के क्षेत्र से जुड़े हैं उनका मान-सम्मान बढ़ेगा।

4.कर्क – आज व्यस्तताओं के कारण प्रेमी जीवन में निराशा देखी जा सकती है। नवीन कार्य के सिलसिले में यात्रा लाभदायक रहेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। । आज किसी नई नौकरी की पेशकश आपके रास्ते में आने की संभावना बन रही है।

5.सिंह- आपके जो बाधाएं कार्य क्षेत्र में आ रही थीं वो दूर होंगी और परिणाम आपके अनुकूल रहेंगे। कार्यकुशलता का विकास होगा। आय में वृद्धि होगी। कोर्ट-कचहरी और विवादों में उलझने के योग बन रहे हैं। आज आप जीवनसाथी की गलतियों को इग्नोर करें

6.कन्या – आपको धैर्य एवं शांति बनाए रखने की आवश्यकता है, अन्यथा आप व्यावसायिक संदर्भ में नुकसान उठा सकते है। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। नौकरी पहले की ही तरह सामान्य रूप चलती हुई होगी। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि की आशंका

है।

7.तुला- आज समय बीतने पर कई अवसर आपके सामने आएंगे और आप उसे पूरे इत्मीनान से स्वीकार कर सकेंगे। यह दिन आपके लिए मिश्रित रहेगा। जो लोग प्रॉपर्टी डीलर है आज उन्हें किसी अच्छे क्लाइंट से मुनाफा मिल सकता है।

8.वृश्चिक – घर में सुख-शांति का माहौल रहने से प्रसन्नता अनुभव करेंगे। स्वास्थ्य में आज थोड़ी गिरावट हो सकती है। आर्थिक लाभ और काम में सफलता मिलेगी। कोई पुरानी बात आपकी परेशानी बढ़ा सकती है। दुकान में मनीप्लॉन्ट का पौधा रखें फायदा जरूर होगा।

8.धनु – नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं। प्रिय व्यक्ति के साथ मुलाकात रोमांचक रहेगी। तन-मन से ताजगी और स्फूर्ति का अनुभव करेंगे। जोश के साथ होश से काम करेंगे तो फायदा बढ़ेगा। जो लोग अविवाहित हैं आज उन्हें विवाह का सुयोग्य प्रस्ताव मिल सकता है।

10.मकर- आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी और लोग महत्वपूर्ण मामलों पर आपकी सलाह लेंगे। पारिवारिक मसले पर आपको अचानक यात्रा करनी पड़ सकती हैं। सक्रिय होकर कार्य करें और लाभ अवश्य मिलेगा। नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे।

11.कुंभ- आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे। आप में ईमानदारी का गुण सदैव रहता है यह आप के सम्मान को बढ़ाएगा। अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। भविष्य में फायदा देने वाले निवेश के बारे में योजना बन सकती है।

12.मीन- आपको थोड़ा कष्ट उठाना पड़ सकता है। परिवार में उत्सव हो सकता है। आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा। आपकी मानसिक परेशानियों में कमी आएगी। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी और नई तकनीकी जानकारी के प्रति रुझान बढ़ेगा।

संपादकीय

विश्व की पहली 'एआई महिला मंत्री',उठने लगे सवाल

इस सप्ताह राजस्थान के जैसलमेर ज़िले से भी छोटे देश अल्बानिया ने संसदीय इतिहास में एक ऐसा कदम उठाया है जो दुनियाभर में चर्चा का विषय बन गया है। यूरोप महाद्वीप के इस देश के प्रधानमंत्री एडी रामा ने अपने मंत्रिमंडल में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एक 'आर्टिफ़िशियल मंत्री' 'डिएला' नियुक्त की है, जो मानव न होकर 'कृत्रिम बुद्धि जनित' यानी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित है। 'डिएला' का अर्थ अल्बानियाई भाषा में 'सूर्य' होता है।

अल्बानिया के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्रिप्टोकरेंसी लाइसेंसिंग विभाग के प्रमुख एनियो कासो ने 12 सितंबर को अल्बानिया की राजधानी तिराना में एआई बॉट 'मंत्री' 'डिएला' का परिचय दिया। यह विश्व की एक ऐसी 'कैबिनेट मंत्री' है जो 'शारीरिक' नहीं हैं। डिएला को सार्वजनिक खरीद विभाग का मंत्री बनाया गया है और इसका मुख्य उद्देश्य सरकारी निविदाओं के माध्यम से सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं को पारदर्शी, तेज़ और पूरी तरह जवाबदेह बना कर भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त करना है। डिएला एक 'एआई-पावर्ड वर्चुअल असिस्टेंट' है, जिसे माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया गया था। यह ई-अल्बानिया प्लेटफॉर्म पर पहले से ही एक वर्चुअल असिस्टेंट के रूप में कार्य कर रही थी। इसे पारंपरिक अल्बानियाई वेशभूषा में एक महिला के रूप में चित्रित किया गया है। इसे 'आर्टिफ़िशियल मंत्री' बनाने से अल्बानिया में संवैधानिक सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि अल्बानिया के संविधान के अनुसार, मंत्रियों को 18 वर्ष से अधिक आयु का मानसिक रूप से सक्षम 'नागरिक' होना चाहिए। इस वर्ष हुए संसदीय चुनावों में रामा की सोशलिस्ट पार्टी ने 140 विधानसभा सीटों में से 83 सीटें जीतकर लगातार चौथी बार सत्ता हासिल की जबकि पूर्व प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति साली बेरिशा के नेतृत्व वाले विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के गठबंधन ने 50 सीटें जीतीं। बहुमत के लिहाज से सोशलिस्ट पार्टी शासन कर सकती है और ज़्यादातर कानून पारित कर सकती है, लेकिन अल्बानिया के संविधान में बदलाव के लिए उसे दो-तिहाई बहुमत यानी 93 सीटों की ज़रूरत है। अल्बानियाई राष्ट्रपति

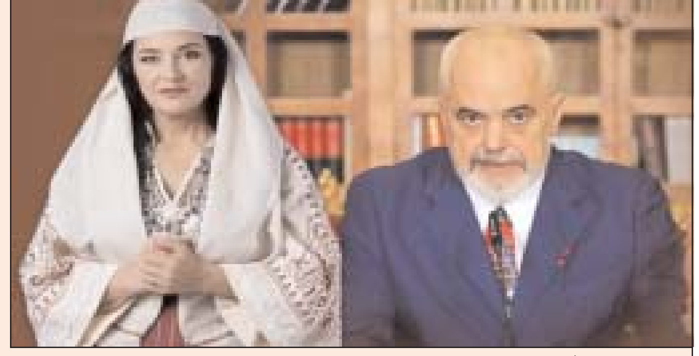

बजराम बेगज ने 13 सितंबर को रामा को नई सरकार के गठन का अधिकार सौंपा दिया। विश्लेषकों का कहना है कि इससे प्रधानमंत्री को एआई डिएला के निर्माण और संचालन' का अधिकार तो मिल गया है लेकिन सवाल संविधान सम्मत होने का है कि मानव की जगह 'कृत्रिम आभासी ईकाई' को मंत्री कैसे बनाया जा सकता है? स्वयं अल्बानियाई राष्ट्रपति के पास भी इसका स्पष्ट ज़वाब नहीं है। पत्रकारों के पूछे जाने पर कि क्या यह संविधान का उल्लंघन है, बेगज डिएला वाला सवाल टाल गए। अल्बानिया के प्रमुख विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ने इसे 'हास्यास्पद' और 'असंवैधानिक' करार दिया है। डेमोक्रेट्स के संसदीय दल के नेता गजमेंद बर्धी ने कहा कि बर्धी ने ÷प्रधानमंत्री की मसखरी को अल्बानियाई राज्य के कानूनी कृत्यों में नहीं बदला जा सकता।÷ अल्बानियाई कानूनी विशेषज्ञों ने भी संवैधानिक चुनौतियों की ओर इशारा किया है।

दरअसल अल्बानिया लंबे समय से अपनी सुरक्षा और अन्य हितों के लिए यूरोपीय संघ की सदस्यता हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा है लेकिन बेहद भ्र्ष्टाचार के मुद्दे के कारण उसे यह सदस्यता नहीं मिल पा रही है। भ्र्ष्टाचार से मुक्ति के लिए उसने एक 'गैर मानव आभासी ईकाई' पर दांव खेला है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि भ्रष्टाचार जैसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए नवीन तकनीकी समाधानों की तलाश एक अहम पहल है लेकिन यह कई गंभीर जोखिमों और चुनौतियों से भरा हुआ कदम है।

सबसे बड़ा है जवाबदेही और दायित्त्व का संकट। अगर एआई कोई गलत निर्णय लेती है, जिससे वित्तीय नुकसान होता है या किसी की जान को खतरा होता है, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन होगा? मंत्री एक जवाबदेह व्यक्ति होता है जिसे संसद के सामने जवाब देना होता है और उसके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। एक एआई सिस्टम को जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता। अगर एआई मंत्री का फैसला नागरिकों के खिलाफ जाता है, तो उस फैसले के पीछे का तर्क समझाना और उसकी समीक्षा करना असंभव हो सकता है। एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह का भी अपना जोखिम है। एआई अपने प्रशिक्षण डेटा से सीखती है। अगर ऐतिहासिक डेटा में मानवीय पूर्वग्रह (जैसे जाति, लिंग, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव) शामिल है, तो एआई उन्हीं पूर्वाग्रहों को और मजबूत करके निर्णय लेगी।

इनके अलावा एक गंभीर प्रश्न है सुरक्षा और हैकिंग का। एक एआई सिस्टम साइबर हमलों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। हैकर्स एआई के निर्णयों को तकनीकी चालाकी से अपने हित में बदल सकते हैं। उदाहरण के लिए, सार्वजनिक खरीद के मामले में, हैकर्स निविदा के परिणामों को अपने पक्ष में करने के लिए एआई में छेड़छाड़ कर सकते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में एक मंत्री जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों का हिस्सा होता है और अप्रत्यक्ष रूप से जनता के प्रति जवाबदेह होता है। सबसे बड़ी है कानूनी और संवैधानिक चुनौतियाँ।

अधिकांश देशों के संविधान और कानून मंत्री पद के लिए 'मनुष्य' होने की शर्त है। एआई को मंत्री बनाना संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है। यह एक अत्यंत जटिल कानूनी सवाल है, जिस पर अभी वैश्विक सहमति नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि तकनीक एक उपकरण है, शासक नहीं। निर्णय लेने की अंतिम जिम्मेदारी हमेशा मनुष्य के पास ही होनी चाहिए।

हरीश शिवनानी

सुशीला कार्की के सामने अवसर और चुनौतियाँ

नेपाल की नई अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की का चयन न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि नेपाल की लोकतांत्रिक राजनीति के लिए एक संवेदनशील मोड़ भी है। वह नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। कार्की को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डिस्कॉर्ड पर जन-जेड आंदोलन के युवाओं के मतदान से चुना गया, जिन्होंने केपी शर्मा ओली की सरकार को उखाड़ फेंका था। पारंपरिक दलों ने भी उन्हें समर्थन देकर राजनीतिक सहमति का दुर्लभ उदाहरण पेश किया। सुशीला कार्की का जीवन और करियर उनकी ईमानदारी और निष्पक्षता के प्रतीक रहे हैं। 7 जून 1952 को बिराटनगर के शंकरपुर में जन्मी कार्की ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से 1974 में पॉलिटिकल साइंस में स्नातकोत्तर किया और 1978 में त्रिभुवन विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई पूरी की। 1979 से वकालत शुरू कर उन्होंने कोशी जोनल बार एसोसिएशन और बिराटनगर अपीलीय बार की अध्यक्षता की। 2009 में उन्हें सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया और 2016 में वह नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनीं। अपने कार्यकाल में उन्होंने भ्रष्टाचार के कई मामलों पर कड़े फैसले दिए और न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा की। 2017 में तत्कालीन शेरबहादुर देउबा सरकार द्वारा लाया गया महाभियोग प्रस्ताव उनके साहसिक निर्णयों के कारण राजनीतिक बदले की कार्रवाई माना गया। कार्की के चयन ने नेपाली राजनीति में नई ऊर्जा भरी है। युवाओं का मानना है कि पारंपरिक नेताओं ने दशकों से सत्ता बदल-बदल कर संभाली, लेकिन भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की समस्या का समाधान

नहीं किया। आंदोलन के दौरान 51 लोग मारे गए, जिनमें कई युवा छात्र शामिल थे। यह क्रांति सोशल मीडिया पर बैन, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ शुरू हुई थी। जेन-जेड पीढ़ी ने स्पष्ट संदेश दिया कि वे ईमानदार और पारदर्शी नेतृत्व चाहते हैं। प्रधानमंत्री बनने के साथ ही सुशीला कार्की के सामने कई अवसर और चुनौतियाँ खड़ी हैं। अवसर यह है कि उनकी निष्पक्ष छवि जनता में विश्वास पैदा करती है। उन्हें जन-जेड आंदोलन का व्यापक समर्थन प्राप्त है, साथ ही पारंपरिक राजनीतिक दल भी उनके पीछे खड़े हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, एक महिला न्यायाधीश का प्रधानमंत्री बनना नेपाल की लोकतांत्रिक छवि को मजबूत करेगा और विदेशी सहयोग व निवेश के अवसर खोलेगा। लेकिन चुनौतियाँ कम नहीं हैं। सबसे बड़ी चुनौती जेन-जेड आंदोलन के मृतकों को शहीद का दर्जा देने और उनके परिवारों को मुआवजा देने की मांग है। यदि उनकी अंतरिम सरकार ने यह मुद्दा संवेदनशीलता से नहीं सुलझाया तो नए विरोध प्रदर्शन भड़क सकते हैं। इसके अलावा, नेपाल की पर्यटन-आधारित अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। होटल एसोसिएशन नेपाल के अनुसार, तोड़फोड़ और आगजनी के कारण लगभग 25 अरब नेपाली रुपये का नुकसान हुआ है, जिसमें अकेले काठमांडू के हिल्टन होटल को 8 अरब रुपये से अधिक का नुकसान झेलना पड़ा। होटल उद्योग और पर्यटन को पटरी पर लाना कार्की के लिए बड़ी चुनौती होगी। एक और कठिनाई नई पीढ़ी के क्रांतिकारी विचारों और पारंपरिक राजनीतिक ढांचे के बीच संतुलन बनाने की है। राजनीतिक दलों का मौजूदा समर्थन आगे भी कायम रहेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

अंतरिम सरकार होने के नाते उनके पास समय और शक्तियों की सीमाएँ हैं, जिससे गहरे सुधार लागू करना कठिन होगा। इन परिस्थितियों में कुछ रणनीतियाँ उनके लिए कारगर हो सकती हैं - शहीद दर्जे और मुआवज़े पर खुला संवाद, जन-जेड नेताओं को सलाहकार समूहों में शामिल करना, पर्यटन उद्योग को राहत पैकेज देना, और निष्पक्ष चुनाव की पारदर्शी तैयारी। इन कदमों से वह जनता का विश्वास जीत सकती हैं और स्थिरता ला सकती हैं।

सुशीला कार्की का प्रधानमंत्री बनना नेपाल के लिए उम्मीद की नई किरण है। लेकिन यह उम्मीद तभी हकीकत बनेगी जब वह साहस, पारदर्शिता और समावेशी नेतृत्व से राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और सामाजिक विभाजनों को दूर करने का प्रयास करेंगी। उनका यह कार्यकाल नेपाल की लोकतांत्रिक यात्रा के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। **R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,** E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

नगर पालिका अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद ने पंजाब बाढ़ पीड़ितों के मदद के लिए दी नगद धनराशि

लहरपुर सीतापुर पंजाब में आई बाढ़ और भीषण तबाही की वजह से वहां का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है और लोगों को जीवन यापन करने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है?। लहरपुर नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 11000 की नगद धनराशि रमना फॉर्म गुरुद्वारे के देवेंद्र सिंह उर्फ बब्बू भाई और बलविंदर सिंह बिल्लू तथा तरनजीत सिंह को चेक देकर जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य किया है। लहरपुर जमीयत उलेमा की तरफ से चंदा एकत्र कर पंजाब भेजने का कार्य किया जा रहा है। तथा अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार व अपराध नियंत्रण परिषद की तरफ से भी कपड़ा और राहत सामग्री का प्रबंध किया गया है।

पांच हरे पेड़ काटने पर क्रेता और विक्रेता पर मुकदमा दर्ज

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मीठापुर गांव में ठेकेदार ने चोरी से पांच प्रतिबंध हरे पेड़ काट डाले। वन दरोगा की तहरीर पर पुलिस ने ठेकेदार और विक्रेता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। रेंज के वन दरोगा नितिन कुमार मिश्रा ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गत शुक्रवार को उन्हें मीठापुर गांव में प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान की सूचना मिली। मौके पर पहुंचकर जाँच की गई तो पता चला कि मीठापुर गांव निवासी सहदेव ने चार नीम और एक जामुन का पेड़ खजूरगांव निवासी ठेकेदार राकेश को बेंच दिया था। जिन्हे ठेकेदार काटकर उठा ले गया। नीम और जामुन के पेड़ प्रतिबंधित श्रेणी में आते हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि वन दरोगा की तहरीर पर क्रेता और विक्रेता के विरुद्ध वन संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है।

भगवान के घर से 40 किलोग्राम के घंटे और पुजारी का मोबाइल उड़ाया

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के उदवामऊ मजरे विशुन खेड़ा गांव में शनिवार की रात को अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर मंदिर में लटके 40 किलो ग्राम वजन के घंटे चुरा ले गए। यहां तक की मंदिर परिसर में सो रहे पुजारी का कीमती मोबाइल भी पार कर दिया। पीड़ित मंदिर के पुजारी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। गांव निवासी देव कुमार तिवारी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया की वह गांव किनारे स्थित प्रख्यात वीर बाबा मंदिर के पुजारी हैं। वह रोज की तरह मंदिर परिसर में सो रहे थे।अज्ञात चोर रात के अंधेरे में मंदिर में लटके करीब 40 किलो ग्राम भार के घंटे चोरी कर ले गए। उनके सिरहाने पर रखा कीमती मोबाइल भी पार कर दिया। सुबह उठने पर उनको घटना की जानकारी हुई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया मामला उनके संज्ञान में नहीं है। प्रार्थना पत्र मिलने पर जांच की जाएगी।

गांव में खौफ और आक्रोश बेटी के लापता होने से परेशान परिजन, आरोपी फरार

निगोहां। लखनऊ, निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गाँव में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। गाँव की एक युवती को मोहल्ले का ही युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस घटना से ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं, युवती की मां ने निगोहां पुलिस को तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।निगोहां पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, निगोहां थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव की रहने वाली शांति देवी पत्नी स्व. शत्रोहन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि बीते 7 सितंबर की देर रात उनकी 19 वर्षीय पुत्री उमा वासिनी उर्फ शालू को गाँव का ही युवक मोहित उर्फ पप्पू बहला-फुसलाकर भगा ले गया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन युवती का कोई सुराग नहीं मिला।इस घटना की जानकारी मिलते ही गांव में तनाव फैल गया और ग्रामीणों में गुस्सा देखने को मिला। लोगों ने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और युवती की सकुशल बरामदगी की मांग की है।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही युवती को बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज के लिए चिंता का विषय हैं और प्रशासन को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

पति विदेश में,घर में अकेली महिला को दबोचकर हैवानियत की कोशिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के धनुवासाढ़ गांव में एक गरीब असहाय महिला के साथ हैवानियत की कोशिश का मामला प्रकाश में आया है। महिला का पति विदेश में काम करता है और वह अकेले ही अपने घर पर रहती है। इसी बीच बीती 28 अगस्त की रात को गांव का ही एक युवक उसके घर में घुस आया और बलात्कार की कोशिश करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़िता ने बताया कि पति विदेश में नौकरी करते हम घर पर अकेली रहती हुं। बताया कि बीते 28 अगस्त की देर रात जब वह घर पर सो रही थी तभी गांव का ही युवक पंकज सिंह पुत्र महेंद्र सिंह अचानक उसके घर में घुस आया। आरोप है कि युवक ने उसे दबोच लिया और उसके साथ जबरन छेड़छाड़ करते हुए बलात्कार करने की कोशिश करने लगा।पीड़ित महिला के अनुसार आरोपी ने उसके नाजुक अंगों को पकड़ा और जब उसने शोर मचाने की कोशिश की तो उसे उठने नहीं दिया। बड़ी मशक्कत के बाद जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी वहां से भाग गया।

जाते-जाते उसने धमकी दी कि अगर महिला ने इस घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। इससे पीड़िता बेहद डरी-सहमी रही।पीड़िता का कहना है कि उसका पति विजय रोज़ी-रोटी के लिए सऊदी अरब में काम करता है और घर पर उसका कोई सहारा नहीं है। ऐसे में आरोपी ने उसकी मजबूरी का फायदा उठाने की कोशिश की। महिला ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मोहनलालगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

हिंदी दिवस का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर, 14 सितंबर देशभर में हिंदी भाषा के महत्व और उसकी उपयोगिता को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी सीतापुर में हिंदी दिवस पर भव्य समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्या डॉ. स्तुति वर्मा ने हिंदी भाषा के अद्भुत योगदान पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान और हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाने वाले उद्घाटन भाषण से हुई। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा नारा लेखन प्रतियोगिता, कविता पाठ, भाषण प्रतियोगिता तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी छात्रों ने हिंदी भाषा को अपनाने और उसके प्रचार-प्रसार के लिए अपने विचार उत्साहपूर्वक साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में, आयोजन समिति द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और हिंदी गीत प्रस्तुत करके किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबन्ध निदेशक डॉ. सशक्त सिंह, डीन एकेडमिक श्रीमती रुचि सिंह, प्राचार्या डॉ. स्तुति वर्मा, उपनिदेशक डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. अब्दुल रब खान, रजिस्ट्रार रोहित सिंह, अध्यापक राजीव कुमार, ऋषभ शुक्ल, तबस्सुम बानो, नीलम, रेहान, प्रांजुल वर्मा, तान्या, साहिल सिंह स्टाफ अरुण सिंह, प्रीति यादव, प्रवीण यादव, अबरार अली, तिलक राज, रमा सिंह आदि मौजूद रहे।

ट्यूबवेल व मकान को अज्ञात चोरो ने बनाया निशाना

मलिहाबाद। थाना मलिहाबाद क्षेत्र में बीती रात घर व ट्यूबवेल पर अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर नकदी, जेवरात समेत अन्य जरूरी सामान लेकर रफूचक्कर हो गए। जानकारी के अनुसार, नई बस्ती धनेवा निवासी अनिल कुमार रावत के ट्यूबवेल पर चोर मोटर केबिल, पाइप, मोटर पैनल व अन्य जरूरी सामान चोरी कर ले गए। वहीं मोहम्मद नगर निवासी कुंवारे के मकान में रात करीब 1 बजे अज्ञात चोरों ने दक्षिण दिशा की दीवार काटकर चांदी की पाजेब, एक सेट कमर की पेटी, एक बच्चे की करधनी, छोटी पायल, सोने की एक सेट झुमकी, गले का हार, नाक की नथनी और दस हजार रुपए नकदी चोरी कर रफू चक्कर हो गए। पीड़ित कुंवारे जब सुबह सो कर उठे तो उनको चोरी की जानकारी हुई। पीड़ितों ने थाना मलिहाबाद पहुंचकर तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। इस संबंध में थाना प्रभारी सुरेन्द्र सिंह भाटी ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है, मामले की जांच की जा रही है।

अनियंत्रित वैगनआर की टक्कर से बाइक सवार पिता पुत्र घायल

एंबुलेंस के जरिए गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल इलाज को भेजा

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के रनमऊ चौराहे पर रविवार की सुबह तेज रफ्तार बेकाबू चौपहिया वाहन ने बाइक सवार पिता पुत्र को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें फौरन इलाज के लिए एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल भेजा गया। जहां दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सुल्तानपुर जाला गांव निवासी सुखदेव उर्फ फौजी पुत्र जगदीश अपने चार वर्षीय मासूम बेटे गौरव के साथ बाइक से चौराहे पर आ रहे थे। तभी रायबरेली के तरफ से आ रही चौपहिया वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। टककर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिंह ने बताया की घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। वाहन पुलिस के कब्जे में है।

समता युवा मंच द्वारा कोरौना में कबड्डी टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

● जरिगवा एलायंस ने फाइनल में मारी बाज़ी, फुले एलायंस रही दूसरे स्थान पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंदलामऊ (सीतापुर) दिनांक 14 सितंबर 2025 को समता युवा मंच के तत्वावधान में कोरौना में भव्य कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन के संयोजक आशुतोष चौधरी रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ अजय पाल जिला अध्यक्ष भाकियूश्र संघर्षमोर्चा सीतापुर व साथ में दर्जनों किसान पदाधिकारी जैसे सचिन यादव जिला महासचिव, प्रशांत अग्निहोत्री जिला उपाध्यक्ष, अमित अर्कवंशी, दधीचि सिंह, मनोज वर्मा, कपिल पाल, अरविंद पाल, संतराम, प्रमोद, आदि लोग उपस्थित रहे जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।चार टीमों ने दिखाया दमखम

टूर्नामेंट में कुल चार टीमों ने भाग लिया।1. जरिगवा एलायंस 2. फुले एलायंस 3. अंबेडकर एलायंस4. आज़ाद एलायंस सभी टीमों का प्रदर्शन जोशपूर्ण और धमाकेदार रहा। खिलाड़ियों के संघर्ष और जज़्बे ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।जरिगवा एलायंस बनी विजेता फाइनल मुकाबले में जरिगवा एलायंस ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर खिताब अपने नाम किया। वहीं फुले एलायंस ने दमदार खेल दिखाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। विजेता टीम को तालियों की गड़गड़ाहट के बीच बधाई दी गई।डॉ. अजय पाल, जिला अध्यक्ष, भाकियू (संघर्ष मोर्चा) सीतापुर ने जरिगवा एलायंस को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेल भावना का विकास होता है और समाज में एकता व जोश का संचार होता है।

"हिन्दी दिवस केवल भाषा का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारी पहचान का पर्व है- चंद्रशेखर प्रजापति

● "हिन्दी दिवस पर नव वेलफेयर सेवा समिति का युवा संकल्प ़ भाषा, संस्कृति और जागरूकता का संगम"

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिधौली/सीतापुर, 14 सितम्बर 2025 आज हिन्दी दिवस के अवसर पर नव वेलफेयर सेवा समिति द्वारा विशेष युवा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर को केवल भाषा और संस्कृति तक सीमित न रखते हुए समिति ने इसे मौलिक अधिकार और मानसिक स्वास्थ्य जैसे सामाजिक मुद्दों से भी जोड़ा, जिससे यह कार्यक्रम एक सार्थक पहल बन सका। ग्राम पंचायत खैरनदेश नगर (गनेशपुर) में आयोजित विचार गोष्ठी में युवाओं और कार्यकर्ताओं ने हिन्दी भाषा की महत्ता पर विचार साझा किए। वहीं अलोइया गाँव में युवाओं ने बैनर और पोस्टरों के माध्यम से हिन्दी दिवस मनाया और युवा संकल्प शपथ ली। बलोइया गाँव में आयोजित विशेष कार्यक्रम में कवयित्री पिंकी प्रजापति ने हिन्दी की समृद्ध परंपरा पर कविता पाठ किया और आसिफ खान ने हिन्दी की वैश्विक पहचान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए– इमरान मंसूरी (सचिव, समिति)- "समिति का मुख्य उद्देश्य युवाओं में जन-जागरूकता फैलाना है। मौलिक अधिकार और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों को हिन्दी दिवस जैसे अवसर से जोड़ना हमारी सोच को और सशक्त बनाता है।" चंद्रशेखर प्रजापति (प्रोजेक्ट मैनेजर)- "हिन्दी दिवस केवल भाषा का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारी पहचान का पर्व है। युवाओं को इसे आगे ले जाने का संकल्प लेना चाहिए।" कवयित्री पिंकी प्रजापति- "हिन्दी हमारी मातृभाषा ही नहीं, बल्कि आत्मा की भाषा है। कविता के माध्यम से हिन्दी जन-जन के हृदय तक पहुँचती है।" प्रेम कुमार यादव- "गाँव-गाँव में हिन्दी दिवस मनाना हमारी एकजुटता और संस्कृति के प्रति सम्मान का प्रतीक है।" आसिफ खान- "हिन्दी आज विश्वभर में बोली और समझी जाती है। हमें गर्व होना चाहिए कि हम इसकी धरोहर को आगे बढ़ा रहे हैं।" पूजा वर्मा (सक्रिय सदस्य)- "हिन्दी दिवस हमें हमारी एकता और सांस्कृतिक धरोहर की याद दिलाता है।

युवाओं की भागीदारी उत्साहजनक है।" लवलेश कुमार- "आज अंग्रेज़ी के प्रभाव के बीच हिन्दी को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है।" कोमल- "हिन्दी हमारे विचारों और संस्कारों की भाषा है। युवाओं का उत्साह प्रेरणादायक है।" यह कार्यक्रम न केवल हिन्दी दिवस का उत्सव रहा, बल्कि इसमें सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक अस्मिता और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का सशक्त संदेश भी निहित रहा।

टूक गांव में जन पंचायत का आयोजन, विधायक ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज (रायबरेली)– महराजगंज विकास खंड के टूक गांव में रविवार को प्रगतिशील दलित आंदोलन (पीडीए) के बैनर तले जन पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बछरावां विधायक श्यामसुंदर भारती मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पंचायत को संबोधित करते हुए विधायक भारती ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷सरकार अच्छे कार्य करने में पूरी तरह विफल रही है। जनता की बुनियादी समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। तथा क्षेत्र में हत्या और लूट व बलात्कार जैसी घटनाएं आम हो चुकी हैं। ऐसे में यह साफ जाहिर होता है, कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार में अपराधी बेलगाम हो चुके हैं तथा अपराधी अपराध कारित कर बेखौफ होकर अपराध को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। ऐसे में सवालिया निशान उठता है, कि प्रदेश की भाजपा सरकार अपराधियों को संरक्षण दे रही है। ऐसे में आम जनमानस सुरक्षित नहीं है यदि जल्द ही शासन प्रशासन द्वारा अपराध पर अंकुश ना लगाया गया तो समाजवादी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेवारी प्रशासन की होगी यह उद्गार टूक गांव में पी डी ए की जनसभा में संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के ऊर्जावान विधायक श्याम सुंदर भारती उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए व्यक्त कर रहे थे। इस जन पंचायत में समाजवादी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया और स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने क्षेत्र की सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोज़गार से जुड़ी समस्याओं को लेकर प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग की।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति यह दर्शा रही थी कि जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर लोगों में गहरी बेचैनी है। इस मौके पर समाजवादी से जिला सचिव वीरेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष समर यादव, एडवोकेट विक्रमादित्य, शिवम यादव, गजेन्द्र यादव, मुकेश यादव, सुरेश पासी, विनती,सियाराम, राम जूठन यादव,नकाऊ पासी सहित आदि उपस्थित रहे।

न्यायालय के आदेश पर नगराम पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चार वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नगराम। लखनऊ, फरार वारंटी अभियुक्तों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना नगराम पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर दबिश देकर चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। ये सभी अभियुक्त लंबे समय से न्यायालय में हाजिर नहीं हो रहे थे और फरार चल रहे थे।मोहनलालगंज एसीपी रजनीश वर्मा के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों ने विशेष रूप से नगराम पुलिस टीम को वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। नगराम पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अभियुक्त चेतराम पुत्र प्यारे लाल, निवासी मोहल्ला दक्षिण टोला कस्बा व थाना नगराम, लखनऊ, दूसरे कमलेश पुत्र पूनावासी, निवासी ग्राम गुलालखेड़ा, थाना नगराम, लखनऊ, तीसरे श्रवण कुमार पुत्र पूनावासी, निवासी ग्राम गुलालखेड़ा, थाना नगराम, लखनऊ, चौथे शत्रोहन पुत्र पूनावासी, निवासी ग्राम गुलालखेड़ा, थाना नगराम, लखनऊ है थाना प्रभारी नगराम विवेक चौधरी ने बताया कि उपरोक्त अभियुक्त लंबे समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहे थे। न्यायालय द्वारा इनके विरुद्ध एनबीडब्ल्यू वारंट जारी किया गया था। वारंट की तामील कराने के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। रविवार को दबिश देकर पुलिस ने चारों वारंटी अभियुक्तों को उनके घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने यह भी कहा कि फरार चल रहे वारंटी अभियुक्तों पर पुलिस की कड़ी निगरानी है। ऐसे अभियुक्त जो लंबे समय से न्यायालय की कार्यवाही से बच रहे हैं, उनके खिलाफ लगातार अभियान चलाकर गिरफ्तारी की जाएगी। कानून व्यवस्था के साथ किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर आम जनता ने संतोष जताया है और फरार अपराधियों पर नकेल कसने को लेकर पुलिस की सक्रियता की सराहना की है।

मोहनलालगंज पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई अवैध साइलेंसर वाली दो बुलेट सीज

● ....चार पहिया वाहनों में लगी ब्लैक फिल्म पर अभियान तेज।

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुधारने और शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना मोहनलालगंज पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। विशेष चेकिंग अभियान के तहत पुलिस टीम ने शनिवार को दो बुलेट मोटरसाइकिलों को सीज कर लिया।सीज की गई मोटरसाइकिलों के नंबर यू.पी. 32 एल.क्यू. 4879 और यू.पी. 32 जे.एल. 0626 हैं। पुलिस जांच में पाया गया कि इन बुलेटों के साइलेंसरों में अवैध बदलाव किया गया था। तेज़ और पटाखे जैसी आवाज़ें निकालने वाले ये साइलेंसर न केवल ध्वनि प्रदूषण फैला रहे थे बल्कि लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल भी पैदा कर रहे थे। थाना प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि इस तरह के वाहनों के खिलाफ युद्ध स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इंस्पेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि चार पहिया गाड़ियों पर लगी ब्लैक फिल्मों के खिलाफ भी लगातार अभियान चल रहा है। नियमों के खिलाफ पाए जाने वाले वाहनों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध परिवर्तन न करें।

निगोहा में धर्म परिवर्तन की सूचना पर बवाल टला, हिंदू संगठनों ने किया जोरदार विरोध

● ......पुलिस ने शांत कराया मामला।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

निगोहा। लखनऊ, निगोहा क्षेत्र के एक गाँव के पास बने फार्म हाउस में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया जब बड़ी संख्या में हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। आरोप था कि फार्म हाउस में हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। अचानक हुए विरोध से माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले जाकर मामला शांत कराया और बवाल टल गया। ग्रामीणों और हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हर रविवार को गाँव के पास स्थित एक फार्म हाउस में बाहर से कुछ लोग आते हैं और महिलाओं व बच्चों को इकट्ठा कर तरह-तरह की धार्मिक क्रियाएं कराते हैं। रविवार को भी बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे मौजूद थे, जिसकी सूचना मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता वहां पहुंच गए और विरोध दर्ज कराया। देखते ही देखते वहां भीड़ जुट गई और माहौल गरमा गया।सूचना पाकर निगोहा पुलिस मौके पर पहुंची और किसी तरह दोनों पक्षों को थाने ले आई। थाने पर दोनों पक्षों से पूछताछ की गई लेकिन किसी तरह की तहरीर न मिलने पर पुलिस ने उन्हें छोड़ दिया।

गांव वालों का आरोप है कि फार्म हाउस पर लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां हो रही हैं और यहां धर्म परिवर्तन की कोशिशें की जा रही हैं। वहीं इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि अभी तक जांच में धर्म परिवर्तन जैसी कोई बात स्पष्ट नहीं हुई है।निगोहां थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया,धर्म परिवर्तन की चर्चा जरूर आई है, लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। अगर कोई लिखित शिकायत मिलती है तो मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।ग्रामीणों और हिंदू संगठन के लोगों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं करती तो भविष्य में बड़ा बवाल हो सकता है। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजित

● .....सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ, दवाएं वितरित कर जांच भी की गई।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ, मोहनलालगंज विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुढ़ा मजरा केसरीखेडा में संकट मोचन हॉस्पिटल्स के सौजन्य से रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गई।इस मौके पर शिविर का संचालन पूर्व प्रधान रविन्द्र यादव के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचलों में आज भी लोग आर्थिक स्थिति और संसाधनों के अभाव में समय पर इलाज नहीं करा पाते, इसी को ध्यान में रखते हुए यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है।शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पहुँचकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। डॉक्टरों की टीम ने रक्तचाप, मधुमेह, हड्डी रोग, सामान्य बीमारियों से संबंधित जांचें कीं और मरीजों को उचित परामर्श दिया। साथ ही जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर में मौजूद डॉक्टरों ने ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता भी दी और स्वच्छता, संतुलित भोजन तथा नियमित जांच की महत्ता पर बल दिया।गांव के लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समय-समय पर होने चाहिए, ताकि गरीब और जरूरतमंद लोग लाभ उठा सकें। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जो राम कथा के रस का प्यासा रहेगा वहीं सच्चा भक्त है-जय प्रकाश मिश्रा

कौलापुर। डीघ ब्लॉक के बिहरोंजपुर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा के संगीतमय प्रवचन में कथा वाचक पंडित जय प्रकाश मिश्रा ने अपने प्रवचन में बताया कि जो राम के भजनो में खुद को खो देता है, वहीं भगवान का सच्चा प्रेमी होता है। कहा कि राम कथा से तृप्त होने वाला मनुष्य सच्चा भक्त नहीं है बल्कि जो राम कथा के रस से प्यासा रहेगा वहीं सच्चा भक्त है। जय प्रकाश मिश्रा ने कहा कि भगवान की भक्ति चंचल चित की वृत्ति में नहीं कर सकते है। कहा कि संसार के सभी पेड़-पौधे, पशु-पक्षियों और प्राणियों में जीव है लेकिन केवल मनुष्य में जीव, गतिशीलता और उद्देश्य भी जो सभी से अलग करता है। मनुष्य को यह सोचना चाहिए कि हमारे जीवन का लक्ष्य क्या है? वाणी का सबसे बड़ा उपयोग भगवान का भजन करना है। इस मौके पर लक्ष्मी शंकर मिश्रा, लल्लन तिवारी, हरिकांत तिवारी, राम अकबाल मिश्रा, सतीश पाण्डेय, कल्लन तिवारी, यज्ञनारायण पाण्डेय, प्रेम पाण्डेय, बाबा शुक्ला, जिलाजीत तिवारी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विश्व हिंदू परिषद की प्रखंड स्तर पर हुई बैठक

विश्व हिंदू परिषद की बैठक में मौजूद कार्यकर्ता।

मथुरा। बरसाना प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद की टीम ने खंड कमई में गोपाल जी मंदिर पर बैठक आयोजित की। बैठक में विश्व हिंदू परिषद की स्थापना के उद्देश्यों और संगठन के कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई जिला सह मंत्री गोपाल राजपूत ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना 1964 में कृष्ण जन्माष्टमी के दिन हुई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य हिंदू धर्म और संस्कृति का संरक्षण और प्रचार प्रसार करना है। संगठन हिंदू समाज को संगठित करने, उनकी रक्षा करने और सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। बैठक में कार्यकर्ताओं को नवीन जिम्मेदारियां सौंपी गई, जिससे वे अपने क्षेत्रों में संगठन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस पहल का उद्देश्य हिंदू समाज में एकता और सहयोग बढ़ाना है जिसमें जिला सह मंत्री गोपाल राजपूत ,प्रखंड मंत्री लाडली पाठक, प्रखंड प्रचार प्रसार प्रमुख, नेत्रपाल पहलवान, खंड अध्यक्ष बृज बिहारी, उपाध्यक्ष सोनू पहलवान, मंत्री सुभाष, सत्संग प्रमुख सागर शर्मा, संयोजक बृज बिहारी, गोरक्षा प्रमुख शिव नारायण, प्रचार प्रसार प्रमुख पंकज शर्मा, सुरक्षा प्रमुख विष्णु, बालोपासना प्रमुख नेम सिंह, कार्यकर्ता कन्हैया, रमेश मौजूद रहे।

मठ मंदिर भी बाढ पीड़ितों की मदद को आगे आये

मंदिर स्वयं सेवकों ने बाड़ग्रस्त क्षेत्रों में पहुँचायी मदद

मथुरा। बाढ पीडितों की मदद को लोग आगे आ रहे हैं। मथुरा वृंदावन के मठ मंदिर भी बाढ पीडितों की मदद के लिए आगे आये हैं। यमुना खादर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में प्रियाकान्तजु मंदिर द्वारा भोजन सामग्री का वितरण लगातार जारी है। मंदिर स्वंय सेवकों द्वारा वृन्दावन के पानीघाट, गुरूकुल, यमुना पार बेलवन क्षेत्र में मंदिर बाढ़पीड़ितों को ब्रेड, पूड़ी, सब्जी, दाल चावल, पानी आदि की किट वितरिक की गयी। वृन्दावन में बाढ़ से ग्रस्त रिहायशी इलाकों में फसें हुये निवासियों को प्रियाकान्तजु मंदिर द्वारा भोजन सामग्री वितरित की जा रही है। शुक्रवार को मंदिर स्वयं सेवकों ने गुरूकुल समीम बनाये गये बाढ़ राहत केन्द्र पर जाकर लोगों को भोजन वितरण किया। इससे अतिरिक्त पानीघाट क्षेत्र में भी स्वंयसेवक राहत सामग्री लेकर पहुंचें। मंदिर प्रबंधक रवि रावत ने बताया कि देवकीनंदन महाराज की प्रेरणा से बाढ़पीड़ितों तक राहत सामग्री पहुँचायी जा रही है। वृन्दावन के यमुना पार बेलवन क्षेत्र के ग्रामों में भी पानी पहुँचने से लोगों की दिनचर्या प्रभावित हुई है। मंदिर स्वयं सेवक स्टीमर द्वारा यमुना पार भी भोजन सामग्री का वितरण कर रहे हैं। श्यामसुन्दर शर्मा, योगेश शर्मा, गजेन्द्र सिंह, पाषर्द शंशाक, विष्णु शर्मा, धाकड़ सिह, गोविन्द कुमार, योगेश, जगदीश वर्मा आदि ने सेवा कार्य में भाग लिया।

भीतरगांव में टीकाकरण जागरूकता रैली,12 बीमारियों से बचाव की जानकारी दी

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

कानपुर/घाटमपुर। क्षेत्र के भीतरगांव के उपकेंद्र बरीमहतैन गांव में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को प्रतिरक्षित करने के लिए जागरुकता अभियान चलाया गया,जीरो डोज कार्यक्रम के तहत्,जेएसआई, यूनिसेफ,और गावी के सहयोग से टीकाकरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया,रैली में आशा कार्यकर्ताओं ने ध्वनि यंत्र के माध्यम से लोगों को 12 प्रकार की बीमारियों और उनसे बचाव के लिए टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी, कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रीता चतुर्वेदी पत्नी राजेश चतुर्वेदी ने विशेष भागीदारी की,इस अवसर पर जेएसआई संस्था के प्रतिनिधि आशा कार्यकर्ता मधु और अभिलाषा, कोटेदार इरशाद, तथा स्थानीय छात्र छात्राओं और ग्रामीण उपस्थित रहे, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को अपने बच्चों का समय पर टीकाकरण करवानें के लिए प्रेरित करना था।

मथुरा में गौ सेवा ट्रस्ट के नाम पर 20 करोड का साइबर फ्रॉड

● एनसीआरपी पोर्टल पर करीब 100 साइबर फ्रॉड की शिकायतें थीं दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। थाना साइबर क्राइम द्वारा शिव गौरा गौ सेवा ट्रस्ट मथुरा के नाम से भारतीय स्टेट बैंक में फर्जी खाता खुलवाकर करीब 20 करोड की साइबर ठगी करने वाले गैंग के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक मोबाइल फोन व दो फर्जी आधार कार्ड बरामद किये गये हैं। थाना साइबर क्राइम टीम ने शिव गौरा गौ सेवा ट्रस्ट मथुरा के नाम से भारतीय स्टेट बैंक में फर्जी खाता खुलवाकर करीब 20 करोड की साइबर ठगी करने वाले गैंग के दो सदस्यों गौतम उपाध्याय पुत्र उमाशंकर उपाध्याय निवासी लक्ष्मीपुरम कालौनी नवादा अडूकी थाना हाइवे मथुरा व बलदेव पुत्र दलवीर सिंह निवासी ग्राम नगला बैर थाना बलदेव जनपद मथुरा हाल पता अनवीर का मकान लक्ष्मीपुरम कालौनी, बीएसएनएल वाली गली थाना हाइवे जनपद मथुरा को बाद कट से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तों के विरूद्ध थाना साइबर क्राइम पर धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 3(5) बीएनएस, 66डी आईटी एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत हुआ है।

पुलिस की गिरफ्ता में साइबर फ्रॉड के दो आरोपी।

यह है घटना- शिव गौरा गौ सेवा ट्रस्ट मथुरा के नाम से भारतीय स्टेट बैंक मथुरा मे फर्जी खाता खोलकर सीधे सादे लोगों से विभिन्न माध्यम से ऑनलाइन ठगी की गयी। फर्जी बैंक अकाउंट की जानकारी एसआई राजकुमार पंवार द्वारा बैंक खाते के बारे मे भारतीय स्टेट बैंक की कैन्ट स्थित शाखा के शाखा प्रबन्धक से ली गई तो शाखा प्रबन्धक द्वारा अपने बैंक शाखा में शिव गौरा गौसेवा ट्रस्ट लक्ष्मीपुरम कालोनी मथुरा के नाम से करंट खाता होना बताया और इस खाते मे तीन व्यक्तियों के संयुक्त नाम गौतम उपाध्याय, शिवम कुमार व गोविन्द कुमार बताया जिनके इस खाते मे दो तीन दिनो मे अत्याधिक पैसा करीब 20 करोड क्रेडिट होने पर ट्रान्सजंक्सन पर होल्ड लग जाने की जानकारी दी थी। इन खातों के संबंध में एनसीआरपी पोर्टल की करीब 100 साइबर फ्राड की शिकायते दर्ज मिली थी।

पुलिस ने दो झपट्टा मार युवक पकड़े

दंपति से झपट्टा मार कर ले गये थे 55 हजार रुपये

मथुरा। पुलिस ने दो झपट्टा मार युवकों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से दंपति से छीने गये 53 हजार रूपये पुलिस ने बरामद किये हैं। थाना बलदेव क्षेत्र के गांव नगला रतिया निवासी गिर्राज सिंह पुत्र राम खिलाड़ी पत्नी भूरी देवी के साथ कहीं जा रहे थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक आए और झपट्टा मारकर उनके पास रखा रुपए से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। बैग में करीब 55 हजार रुपए रखे थे। इसकी शिकायत थाना बलदेव पर दर्ज कराई गई थी। थाना बलदेव पुलिस टीम ने नगला रतिया रोड से नगला रायसिंह निवासी शिवा उर्फ शिवम (18) पुत्र राजकुमार और मोहित (18) पुत्र महेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से लूटा हुआ 53 हजार रुपए कैश बरामद किया गया। इसके अलावा उनके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल और कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। थाना प्रभारी रंजना सचान ने बताया कि गिरफ्तार दोनों आरोपी अभी किशोरावस्था से ही आपराधिक प्रवृत्ति में शामिल हो गए थे। दोनों को संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

धेमाजी जिला कांग्रेस की पहली कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न, नियुक्ति पत्र वितरण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी- 14 सितंबर। नवगठित धेमाजी जिला कांग्रेस कमेटी की पहली कार्यकारिणी बैठक आज सीसीबर गांव ब्लॉक के सहयोग से बेतनीपाम पब्लिक मार्केट हॉल में आयोजित की गई। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र और एक बहुमूल्य वृक्ष का पौधा भेंट किया गया।बिपुल दले ने शुभारम्भ किया बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष तिलक फुकन ने । बैठक में ए,पी,सी,सी के महासचिव और धेमाजी जिला पर्यवेक्षक रौचन राज छेत्री, एपीसीसी ओबीसी अध्यक्ष जुगल बुरागोहेन, कुषाधक्य डॉ हेम हरि प्रसन्न पेगू, शैलेन सोनोवाल, देव चेतिया, निगम पेगू, संयुक्त सचिव रजनी कारडंग, धेमाजी जिला के पर्यवेक्षक पंकज सैकिया, और विराज कुंवर मौजूद थे।

नवगठित जिला कमेटी के पदाधिकारियों ने सभी से पार्टी के लिए निष्ठापूर्वक काम करते रहने का आग्रह करते हुए कहा कि कांग्रेस आगामी चुनावों में असम में अपना खोया हुआ सम्मान हर हाल में वापस लाएगी। जिले की धेमाजी,सीसीबर गांव और जोनाई तीनों चुनावी क्षेत्रों में इस बार जीत हासिल करने के लिए कार्य करने के लिए सभी को आह्वान किया। बैठक में जिले की 731 बूथ समितियों अगले 25 सितंबर से पहले पुनः कार्यक्षम करने का फैसला लिया गया।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों का सुलभ निपटारा बुढार न्यायालय में हुआ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शहडोल मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष महोदय श्री काशीनाथ सिंह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के निर्देशानुसार एवं श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति, budhar की अध्यक्षता में दिनांक 13.09.2025 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। उक्त लोक अदालत में लबित रेगुलर प्रकरणों 417 रैफर प्रकरण में 391 प्रकरण का निपटारा किया गया तथा जिसपे 803 लोग लाभावित हुए एवं 5687814 (शब्दों में छप्पन लाख सैतासी हजार आठ सौ चौदह रूपये मात्र) की राशि अवार्ड की गई। इसी प्रकार लगभग 1802 पिलिटिगेशन प्रकरणों में 445 प्रकरणों का निपटारा किया गया तथा लगभग रुपये 1223019 (शब्दों - बारह लाख तेईस हजार उन्नीस रुपये मात्र) की वसूली की गई। साथ ही लोक अदालत में पक्षकारों के चिकित्सा सुविधा हेतु चिकित्सा विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोक अदालत में 05 खंडपीठ श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश, श्री विजेंद सिह रावत, श्रीमती आकांक्षा तेकाम, श्री ऋष्व दीक्षित श्री लक्ष्मण रोहित न्यायिक मजिस्टेट संचालित रही। साथ ही नयायालीन सहभागिता हेतु अति. सहायक अभियोजन अधीकारी श्री कुबेन्द्र शाह ठाकुर संतोष कुमार पाटले, अपर लोक अभियोजक अधिकारी श्री आलोक राय, असोक सिसोदिया एवं न्यायालयीन वरिष्ठ कर्मचारी श्रीमती अनीता शर्मा एवं नायब नाजिर श्री राज कुमार पैकरा एवं अन्य कर्मचारी व पुलिस विभाग का द्वारा नयायालयीन कार्य में विशेष सहयोग रहा।

उक्त न्यायालयीन प्रकरणों में बुढ़ार न्यायालय के अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री जयकांत मिश्रा एवं उनके सहपाठी मौजूद रहे साथ ही खण्डपीठ सदस्य आजाद सिंह, अधिवक्ता, नीलेश सिंह श्री सुशांत शेखर घोष श्री विष्णू शरण द्विवेदी अधिवक्ता श्री वीरमान सिंह अधिवक्ता तथा सामाजिक कार्यकर्ता श्री मोहन उपाध्याय उपस्थित हुए।

सफलता की कहानी- (न्यायालय श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश बुढ़ार खण्डपीठ-13) का संक्षेप इस प्रकार है कि प्रकरण यह कि न्यायालय श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश बुढ्ढार के यहां लबित प्रकरण धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम 1995 अंतर्गत (आर सीएसएचएम) (अजय कुमार चौधरी बनाम श्रीमती अशिका चौधरी) में तथ्य यह है कि उभयपद्म का विवाह हिन्दू विधि से 01.04.2021 को सम्पन्न हुजा परन्तु विवाह के 1 साल बाद उभयमझ के मध्य वैचारिक मतभेद बढ़ने से उभयपक्ष का एकसाथ रहना कठिन हो गया है। उभयपक्ष के मध्य कई बार नातं रिश्तेदारों द्वारा

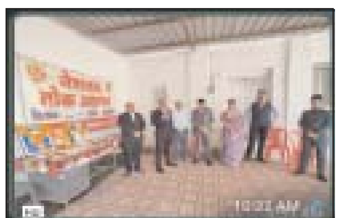

समझाईश का भी प्रयास किया गया किन्तु उभयपक्ष का आपस में रहना संभव नहीं हो पाया। उसके पश्चात उत्तरवादी का व्यवहार बिगड़ता चला गया दोनों परिवार के मध्य दाम्पत्य जीवन निर्वहन करना मुश्किल हो गया है। तदनुसार याचिकाकर्ता द्वारा उत्तरवादी से वैवाहिक जीवन के न्यायिक प्रथककरन की आज्ञाप्ति चात्री गई। प्रकरण को नेशनल लोक अदालत की खण्डपीठ कमांक 13 (श्री सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश) के समक्ष रखा गया उक्त संबंध में उपस्थित पक्ष कारों को सुना गया। दोनों पक्षों को समझाईश दी गई जिससे दोनों पक्ष ने खुशी-खुशी राजीनामा कर लिया। एवं आगे कोई भी विवाद न होने की संभावना के साथ साक्ष्य लिया जाकर प्रकरण समाप्त किया गया। दोनों को फूलमाला पहनाकर न्यायधीश महोदय ने आशीवाद दिया और पौधे सुलह के रूप में प्रदाय किया गया।

19 सितम्बर को दीनदयाल धाम आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

● जिला प्रशासन एवं भाजपाई तैयारियों में जुटे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 19 सितम्बर को मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके आगमन को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता जोर शोर से तैयारियों में जुट गए हैं। जिला प्रशासन भी मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर तैयारियां कर रहा है। रविवार को जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ थाना फरह क्षेत्रान्तर्गत पण्डित दीनदयाल धाम पर लगने वाले मेला एवं मुख्यमन्त्री के आगमन के दृष्टिगत मेला एवं कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। वहीं दूसरी ओर रविवार को तैयारियों की समीक्षा के लिए दीनदयाल धाम स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर में बैठक आयोजित हुई। बैठक में भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव व जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने संयुक्त रूप से विचार विमर्श किया। बैठक की अध्यक्षता दीनदयाल धाम के निर्देशक सोनपाल सिंह

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार मेला स्थल का निरीक्षण करते हुए।

ने की। उन्होंने बताया कि दीनदयाल धाम में प्रतिवर्ष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर चार दिवसीय मेला आयोजित किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन 18 से 21 सितम्बर तक होगा। 19 सितम्बर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विराट युवा सम्मेलन को संबोधित करेंगे। वहीं महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित स्मृति महोत्सव भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन से यह कार्यक्रम और भी भव्य होगा। कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ इसकी सफलता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि दीनदयाल धाम पूरे देश में अंत्योदय के विचार का केंद्र है। मुख्यमंत्री का आगमन

मेला की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक में मौजूद भाजपा कार्यकर्ता।

पूरे मथुरा जनपद के लिए गौरव का अवसर है। इस महोत्सव में युवाओं, किसानों और ग्राम्य विकास से जुड़े विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वही मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा बताया पं. दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में चार दिवसीय विविध सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के साथ ही किसान एवं ग्राम्य विकास प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। इस अवसर पर महोत्सव समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र कुमार पाठक ,कुंज बिहारी चतुर्वेदी, महिपाल सिंह, ललित गौतम, बृजेश अहेरिया, अमित पाठक, पवन हिंडोल, अंकुर गुर्जर, नितिन चतुर्वेदी, कुलदीप शर्मा,अमन ठाकुर, मनीषा शर्मा, लोकेश निषाद, अजय सिंह राजावत, हाकिम सिंह, टीटू, प्रकाश गौड़, सतेंद्र सिरोही, कान्हा शर्मा, अजय परखम आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उसका बाजार थाना परिसर में शांति व्यवस्था पर हुई चर्चा

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार थाना परिसर में रविवार को शांति व्यवस्था को लेकर एक बैठक हुई। बैठक में प्रभारी निरीक्षक हरे कृष्ण उपाध्याय ने कस्बा के व्यापारियों की सुरक्षा, आगामी त्यौहार को शांति पूर्वक मनाने आदि बिंदुओ पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने कहा की पुलिस एवं व्यापारीके सहयोग से अफवाहों को दृष्टिगत रखते हुए शांति व्यवस्था बनाई जाए। सभी लोग अफवाहों से बचे। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के दिखाई देने पर पुलिस को तुरंत सूचना दे, स्वयं कोई न निर्णय ले। इस अवसर पर चेयरमैन प्रतिनिधि हेमन्त कुमार जायसवाल,व्यापार संगठन उसका बाजार के अध्यक्ष धनेश वर्मा, लाल बहादुर दास, अभिषेक त्रिपाठी, आशीष शुक्ला, अयोध्या शाहू, विभूति अग्रहरी, अंगद साहनी, मनोज जायसवाल आदि रहे।

डबल रिटर्न के लालच में कटा गया 1.21 करोड़ का टटलू

● मथुरा साइबर थाना कर रहा है मामले की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। विज्ञापन, एक क्लिक, डबल रिटर्न का लालच और गंवा दिये 1.21 करोड रूपये। मथुरा में टटलू शब्द बेहद चर्चित रहा है। लेकिन अब चलन से बाहर हो रहा है। टटलू काटना मैनुअल ठगी थी यह दो तीन या इससे अधिक गुने के लालच देकर शातिर टटलू काटते थे। टटलूबाजी की जगह अब साइब फ्रॉड ने ले ली है। मथुरा में नई टटलू बाजी में एक व्यक्ति ने 1.21 करोड रूपये गंवा दिये। पीड़ित के मुताबिक जब दसने सेबी से संपर्क किया तो सच्चाई सामने आई कि यह पूरा खेल साइबर ठगी का है। इसके बाद पीड़ित ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मथुरा साइबर थाना मामले की जांच पडताल कर रहा है। साइबर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। यह मामला ऑनलाइन ट्रेडिंग और आईपीओ सब्सक्रिप्शन के नाम पर 1.21 करोड़ रुपये की ठगी का है।

पीड़ित रामवीर सिंह ने एक विज्ञापन पर क्लिक किया और व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़ गए जहां उन्हें पहले डबल रिटर्न का लालच दिया गया। फिर विभिन्न बहानों से उनसे करोड़ों रुपये ठगे गए यहा तक कि लोन भी दिलाया गया।

8.22 लाख रुपये का लोन भी जबरन दिलवाकर जमा कराए गए धीर धीरे रकम करोड़ों तक पहुंच गई। यहां तक कि 8.22 लाख रुपये का लोन भी जबरन दिलवाकर जमा कराए गए। आरोपितों ने बाद में सेबी का हवाला देकर 10.86 लाख रुपये सर्विस फीस की मांग की और धमकी दी कि यदि रकम नहीं दी तो पूरा पैसा सेबी में चला जाएगा। पीड़ित के खाते में दिखाया गया बैलेंस 1.21 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

केआर डिग्री कॉलेज में मनाया गया हिन्दी दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। किशोरी रमण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मथुरा के हिंदी विभाग द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि सुनील कुमार कर्दम थे। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. शशि किरण एवं वरिष्ठ शिक्षक डॉ. देवेन्द्र कुमार ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ, पटुका एवं उत्तरीय ओढ़ाकर गरिमापूर्ण स्वागत एवं अभिनंदन किया। साथ ही, प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार ने प्राचार्य महोदय का भी पटुका एवं उत्तरीय ओढ़ा कर आदरपूर्वक स्वागत किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां

केआर डिग्री कॉलेज में हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मौजद वक्ता।

वीणापाणि की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से किया गया।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. शशि किरण ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी भाषा से जुड़ी रोजगार संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. प्रवीण कुमार अग्रवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में हिंदी दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हिंदी दिवस केवल 14 सितंबर या पूरे सितंबर माह तक सीमित न रखकर वर्ष भर हिंदी भाषा के प्रति गर्व और सम्मान की भावना बनाए रखनी चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कवि श्री सुनील कुमार कर्दम ने अपनी कविताओं का पाठ कर काव्य पाठ प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को आशीर्वाद दिया। साथ ही उन्होंने कुछ सुझाव भी दिए, जिससे भविष्य में प्रतिभागी और बेहतर प्रस्तुति दे सकें।

मथुरा पुलिस को नहीं लगी भनक, दिल्ली पुलिस की दिखी हनक

● बाढ़ के पानी से घिरे गांव में तीन घंटे की मशक्कत के बाद पहुंची सकी पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। दिल्ली पुलिस ने मथुरा के नौहझील क्षेत्र के एक बाढ ग्रस्त गांव में छापामार कार्यवाही करते हुए अवैध हथियार तैयार करने की फैक्ट्री को पकडा है। पुलिस ने यहां से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक यह अवैध हथियारों की तस्करी करने का पूरा नेटवर्क है जिसे खंगाला जा रहा है। ये फैक्ट्री मथुरा में यमुना नदी के किनारे बाढग्रस्त गांव अनर्दागढी में चल रही थी। पुलिस टीम को 5 से 8 फीट गहरे पानी में पैदल चलकर पहुंचना पड़ा। अंधेरा, पानी और मोबाइल नेटवर्क फेल होने के बावजूद टीम ने हिम्मत नहीं हारी और आरोपी को फैक्ट्री समेत हथियारों के साथ पकड़ लिया. पुलिस पूछताछ में आरोपी शिवचरण ने बताया कि पहले वो हनवीर के साथ इस धंधे में काम करता था. बाद में हनवीर ने अलीगढ़ में दूसरी फैक्ट्री शुरू कर दी और मथुरा वाली फैक्ट्री वो अकेले चला रहा था. हथियारों को बेचना हनवीर के जरिए होता था और दोनों मुनाफे को बराबर बांटते थे. गांव वालों ने भी पुलिस को बताया कि शिवचरण फैक्ट्री के पास दो कुत्ते रखता था ताकि कोई वहां ना जा सके। दिल्ली पुलिस की टीम ने यहां से 14 देसी पिस्टल (9 सिंगल बैरल, 5 डबल बैरल) 1 मस्कट गन, 350 से ज्यादा पिस्टल बनाने का कच्चा सामान, 50 बैरल, 28 छोटी बैरल पाइप और लकड़ी के हैंडल, हथियार बनाने की मशीनरी (ग्राइंडर, ड्रिल मशीन, कटर मशीन, आरी आदि बरामद किये हैं। पुलिस के मुताबिक यह संगठित गिरोह है, जिसके अन्य गुर्गो की तलाश की जा रही है। हथियारों की सप्लाई सहित अन्य बिंदुओं पर पूछताछ की जा रही है। एसएसपी श्लोक कुमार ने

बताया कि दिल्ली में एक गोलीकांड हुआ था। घटना के बाद दिल्ली पुलिस अवैध हथियार बनाने और बेचने वालों की तलाश में जुटी तो अलीगढ़ में अवैध शस्त्र फैक्टरी पकड़ी। इसी में शामिल एक आरोपी को दिल्ली पुलिस ने नौहझील से पकड़ा है।

खूंखार कुत्ते करते थे पहरेदारी

फैक्ट्री संचालक ने दो कुत्ते पाल रखे थे। ऐसे में सुनसान इलाके में कोई भी बाहरी व्यक्ति आता था तो वह पहरेदारी करते थे। किसी को रास्ते में नहीं आने देते थे।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 288306 वादों का निस्तारण

● कुल 370388 वाद निस्तारण के लिए नियत किये गये थे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मथुरा। राष्ट्रीय लोक अदालत में 288306 वादों का निस्तारण कर दिया गया। जबकि लोक अदालत के लिए कुल 370388 वाद निस्तारण के लिए नियत किये गये थे। जनपद न्यायालय मथुरा में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय लोक अदालत की अध्यक्षता जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मथुरा विकास कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय आशीष जैन, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ब्रह्मतेज चतुर्वेदी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मथुरा सुरेन्द्र प्रसाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट उत्सव गौरव राज, अध्यक्ष बार एसोसिएशन प्रदीप कुमार शर्मा सचिव बार एसोसिएशन शिवकुमार लवानिया सहित समस्त न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी, अधिवक्ता, बैंक मोबाइल फाइनेंस कम्पनियों के अधिकारी, वादकारी, पराविधिक स्वयंसेवक, लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारम्भ जनपद न्यायाधीश विकास कुमार द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला मुख्यालय, कलेक्ट्रेट, तहसील स्तर पर कुल 370388 वाद निस्तारण हेतु नियत किये गये, जिनमें से 288306 वादों का निस्तारण किया गया। विकास कुमार, जनपद न्यायाधीश, मथुरा द्वारा 44 सिविल वादों का निस्तारण किया गया। मोटर दुर्घटना प्रतिकर वादों में राजेश चौधरी, पीठासीन अधिकारी, मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधिकरण, मथुरा द्वारा मोटर दुर्घटना प्रतिकर वादों से सम्बंधित 110 वादों का निस्तारण कर 12,66,33,999 रूपये की प्रतिकर राशि

पीडित पक्षकारों को दिलाये जाने के आदेश पारित किये गये तथा आठ प्रकीर्ण वादों का निस्तारण किया गया फौजदारी न्यायालयों द्वारा फौजदारी से सम्बंधित 36614 वादों का निस्तारण कर 11,10,890 रूपये का अर्थदंड वसूला गया। चेक बाउन्स के वादों से सम्बंधित 77 वादों का निस्तारण किया गया। 103 व्यवहारिक वाद, 127 विद्युत अधिनियम वाद, 1002 विद्युत अधिनियम अंतिम आख्या 642 अंतिम आख्या, 21 उपभोक्ता फोरम वाद तथा 85 अन्य प्रकार के वादों का निस्तारण किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत के अंत में अपर जिला जज सचिव जिला विकि सेवा प्राधिकरण, मथुरा सुरेन्द्र प्रसाद द्वारा उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया गया।